राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 13
चुम्बा का चक्रव्यूह
सुपर कमांडो ध्रुव
सुपर कमांडो ध्रुव
एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त

चुम्बा का चक्रव्यूह

सम्पादन : मनीषचन्द्र गुप्त

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा व चित्र : अनुपम सिन्हा

© RAJA POCKET BOOKS

भय और आतंक, राजनगर के लिए कोई नई चीज नहीं है।
और इस वक्त इनके खौफनाक साए के चपेट में है ; 'इंडियन मिसाइल सेंटर' का एक अफसर - गोपालन।
टैक्सी!
ओफ! इस समय तो खाली टैक्सी मिल ही नहीं रही है!
अब मेरे पास वक्त नहीं है!
मुझे हर हालत में बारह बजे तक वहां पहुंचना ही है। वर्ना वे लोग शांता को...! नहीं, नहीं!
सुनसान सड़कों पर भागते हुए...
...और 'शार्ट-कट' ढूंढते हुए, गोपालन 'राजनगर नेशनल पार्क' के पुराने और उजाड़ रेस्ट हाउस तक पहुंच गया।
रेस्ट हाउस का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था।
अंदर - सामने कई दरवाजे थे।
पर गोपालन को मालूम था कि उसकी मंजिल किस दरवाजे के पीछे है!
आओ, ऑफीसर! तुम पूरे तैंतीस सेकेंड देर से आए हो।
आ... आई एम सॉरी, धुंबा!
टैक्सी (गड़ब) नहीं मिली!

लाओ। वह मिनी-न्यूक्लियर बेटरी कहां है?
उस.. उसको मैं नहीं ला पाया।
मेरे उठाने से पहले ही उसको, मिसाइल में फिट करने के लिए 'लांचिंग साइट' पर भेजा जा चुका था।
उसको कल एक 'स्पेशल रेलगाड़ी' से, अन्य पुर्जों के साथ 'रामकोटा लांचिंग स्टेशन' तक ले आया जाएगा।
उस रेलगाड़ी की पहचान क्या है?
एक ही पहचान है। उसमें 'स्टीम इंजन' लगा होगा, ताकि रेलगाड़ी, एक मामूली सी माल-गाड़ी लगे।
बस! तुम्हारा काम खत्म हो गया, जासूस!
पर.. पर शोता...
तभी, एक गाढ़े और चिपचिपे घोल ने गोपालन को नहला दिया।
...मेरी पत्नी! (गलब!)
य.. यह क्या है?
ये लोहे के बुरादे का गोंद में बना घोल है, अफसर।
हम तुमको भगवानजी के पास भेज रहे हैं...
...जहां पर तुम्हारी पत्नी पहले से ही मौजूद है!
नार्थ पोल!
साउथ पोल!
गोपालन के दोनों तरफ खड़े, नार्थ पोल और साउथ पोल के शक्तिशाली चुंबक गोपालन के शरीर को दोनों तरफ से खींचने लगे।

चुंबकों की शक्ति धीरे-धीरे बढ़ती गई। -
कड़ड़ड़ड़
- और हाड़-मांस का नाजुक शरीर यह भयंकर खिंचाव नहीं सह पाया।
चड़ाक
इसकी लाश के दोनों टुकड़े उठाकर ऐसी जगह फेंक दो, जहां इसकी लाश को कुत्तों और गिद्धों के अलावा और कोई न देख पाए!
चुंबा अपने पीछे, अभी कोई सबूत छोड़ना नहीं चाहता!
अभी उस न्यूक्लियर पावर बैटरी को भी मुझे हासिल करना है!...
और फिर, वह विमानभेदी मिसाइल, जिसकी टेस्टिंग भारत सरकार कल करने जा रही है।
इसके बाद चुंबा, वैसी ही न्यूक्लियर बैटरी लगी मिसाइलों को दर्जनों ऐसे देशों को बेचेगा, जिसको पाने के लिए वे बेकरार हैं।
और मेरा अभियान कल से शुरू हो जाएगा।
चुंबा का शरीर चुंबकीय कणों में बदलकर तारों में समा गया।
और अगले दिन -
बोल, श्वेता! शर्त लगाती है?
चलो, लगी शर्त!
कैसी शर्त, भई?
हमलोग यहां पर पिकनिक मनाने आए हैं। घोड़ों की रेस देखने नहीं!

'रेस' की ही तो बात है, भइया!
नताशा का कहना है कि तुम्हारी मोटरसाइकल, उस ट्रेन से रेस में नहीं जीत सकती। पर मैं कहती हूं कि जीत सकती है!
लेकिन यहां रेस करने के लिए जगह ही कहां है?
रेल-लाइन के दोनों तरफ तो सिर्फ ऊबड़-खाबड़ और गड्ढेदार मैदान है।
इसीलिए तो शर्त लगी है, ध्रुव! अगर सपाट सड़क हो तो तुम ऐसी दर्जनों रेलगाड़ियों को तुरंत पीछे छोड़ सकते हो।
ऐसा क्या? तो फिर हो जाए!
रामकोटा स्टेशन हम लोगों की फिनिश-लाइन होगा!
तुम दोनों वैन से, सड़क के रास्ते वहीं पर पहुंचो।
चल मेरी बाइक! आज अपनी इज्जत का सवाल है।
परंतु ध्रुव यह नहीं जानता था, कि किस्मत उसको उसी रेलगाड़ी के साथ रेस करने के लिए मजबूर कर रही है, जो एक अत्यंत गुप्त वस्तु को लेकर रामकोटा लांचिंग स्टेशन तक आ रही है।
वह यह भी नहीं जानता था कि यह रेलगाड़ी, रामकोटा स्टेशन तक कभी नहीं पहुंचेगी।

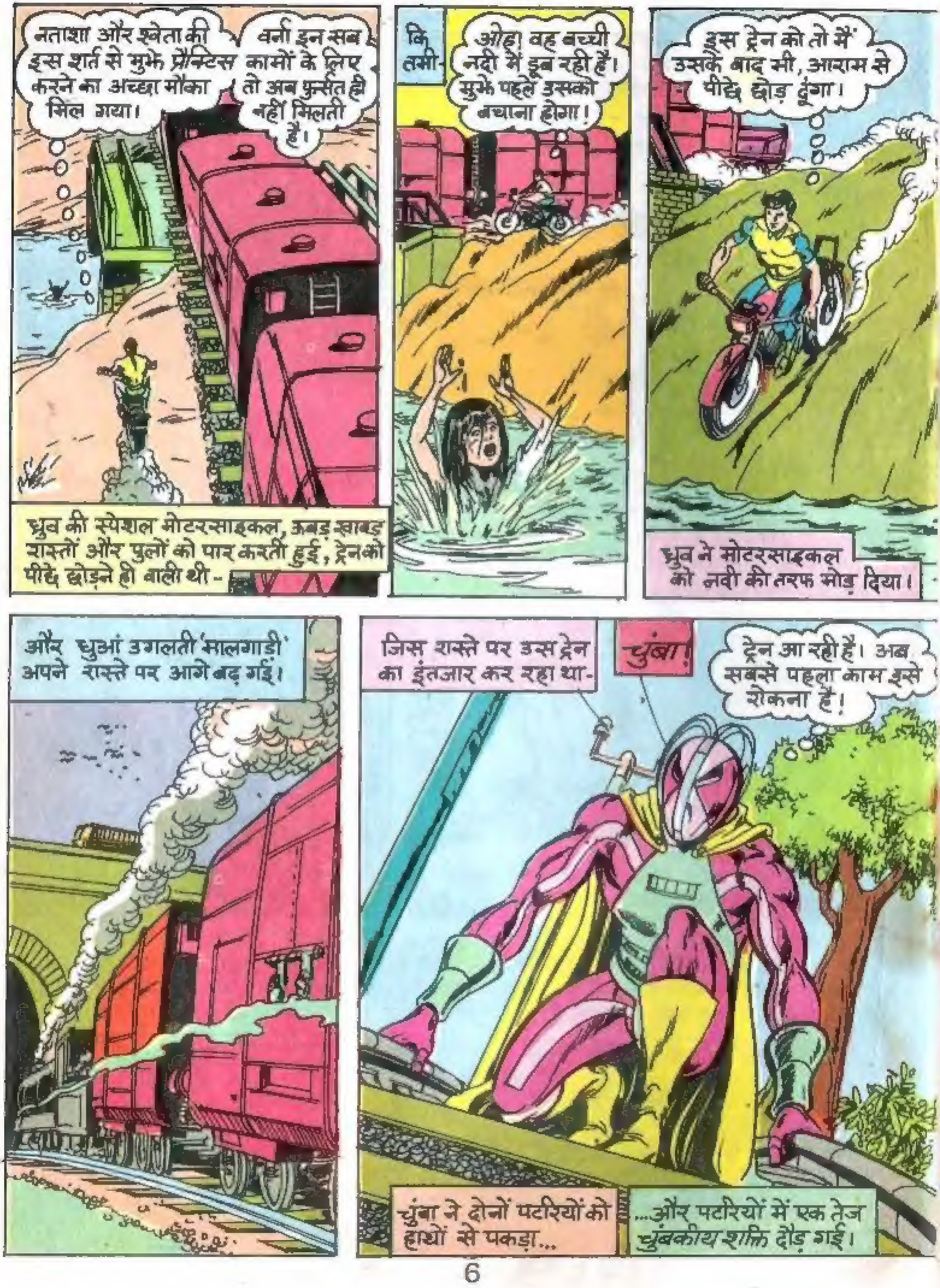
नताशा और श्वेता की इस शर्त से मुझे प्रैक्टिस करने का अच्छा मौका मिल गया।
वर्ना इन सब कामों के लिए तो अब फुर्सत ही नहीं मिलती है।
ध्रुव की स्पेशल मोटरसाइकल, ऊबड़ खाबड़ रास्तों और पुलों को पार करती हुई, ट्रेन को पीछे छोड़ने ही वाली थी -
कि तभी-
ओह! वह बच्ची नदी में डूब रही है। मुझे पहले उसको बचाना होगा।
इस ट्रेन को तो मैं उसके बाद भी, आराम से पीछे छोड़ दूंगा।
ध्रुव ने मोटरसाइकल को नदी की तरफ मोड़ दिया।
और धुआं उगलती 'मालगाड़ी' अपने रास्ते पर आगे बढ़ गई।
जिस रास्ते पर उस ट्रेन का इंतजार कर रहा था-
चुंबा!
ट्रेन आ रही है। अब सबसे पहला काम इसे रोकना है।
चुंबा ने दोनों पटरियों को हाथों से पकड़ा...
...और पटरियों में एक तेज चुंबकीय शक्ति दौड़ गई।

चुंबक बन गई रेल के पहियों को नहीं रोक दिया।
अरे! यह ट्रेन कैसे रुक गई?
चीईईईईई
मैंने ब्रेक तो लगाए ही नहीं?
रास्ते में कोई रुकावट भी नहीं है। आखिर यह ट्रेन रुकी कैसे?
इसको मैंने रोका है, कीड़ो!...
...चुंबा सम्राट ने। और अब मेरे रास्ते से हट जाओ! वर्ना मैं तुम्हारे दिलों की धड़कनें भी रोक दूंगा!
और पास ही में –
अब बगैर किसी बड़े को साथ लाए, नदी में नहाने कभी मत जाना। समझी, प्यारी गुड़िया?
समझ गई, भइया! आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!
अगर मैं डूब जाती, तो मेरी अम्मा मुझे बहुत मारती!
हा हा हा! बच्चे और उनकी प्यारी बातें!
पर इतनी देर में ट्रेन काफी आगे निकल चुकी है।
लगता है, कि नताशा शर्त जीत ही जाएगी।
पर ट्रेन तो 'फिनिश-लाइन' तक पहुंच ही नहीं पाई थी।
हम मामूली ड्राइवर और फोरमैन नहीं हैं, चुंबा! हम 'आर्मी सीक्रेट कोर' के जवान हैं!
हाथ ऊपर उठा लो, और यह बताओ कि तुमको इस गुप्त ट्रेन के बारे में किसने बताया?

मुझसे सवाल पूछ रहे हो, मूर्खों?
खैर, मैं तुम लोगों को एक चेतावनी तो दे ही चुका हूं!
फटाक
फड़ाक
चुंबा के हाथ की उंगलियों से दो किरणें निकलकर दोनों जवानों से टकराईं।...
...और जवानों के शरीर में भी चुंबकीय लहर दौड़ गई।
और दोनों के शरीर, पहले ही से चुंबक बनी पटरियों से जा चिपके।
मेरा 'मैग्नेटिक-स्कैनर' बता रहा है, कि 'न्यूक्लियर पावर बैटरी' इसी डिब्बे में है।
डिब्बे की बॉडी और दरवाजा तो बहुत मजबूत लोहे का बना लगता है!...
...पर मेरी 'मैग्नेटिक पावर' के सामने यह नहीं टिक पाएगा!
दरवाजे के टूटने के साथ-साथ डिब्बे से बाहर कूदने लगे-
'आर्मी कमांडो कोर' के जांबाज सैनिक; जिनको बैटरी की सुरक्षा का भार सौंपा गया था।

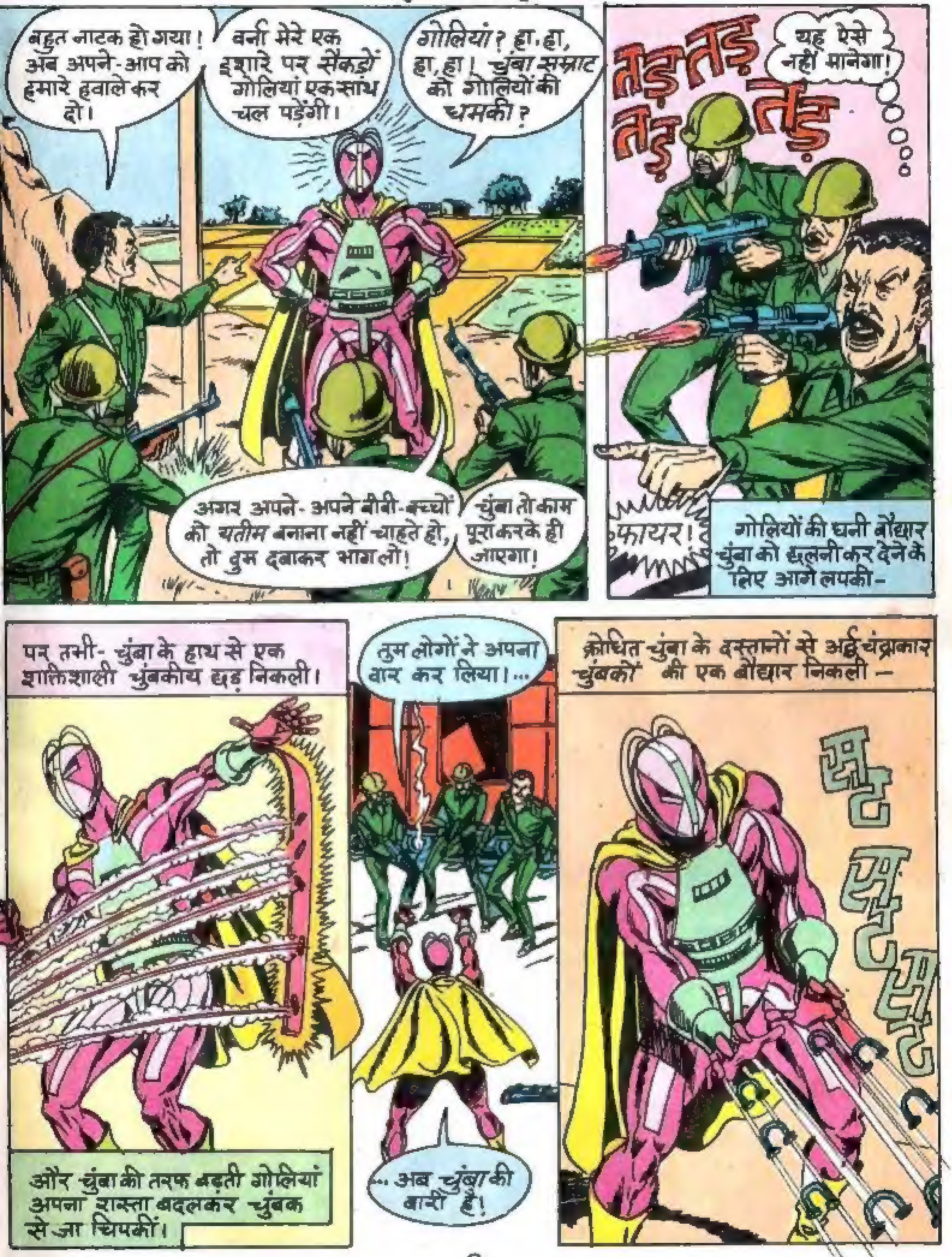
बहुत नाटक हो गया! अब अपने-आप को हमारे हवाले कर दो।
वर्ना मेरे एक इशारे पर सैंकड़ों गोलियां एक साथ चल पड़ेंगी।
गोलियां? हा, हा, हा, हा! चुंबा सम्राट को गोलियों की धमकी?
अगर अपने- अपने बीवी-बच्चों को यतीम बनाना नहीं चाहते हो, तो तुम दबाकर भाग लो!
चुंबा तो काम पूरा करके ही जाएगा!
तड़ तड़ तड़ तड़
यह ऐसे नहीं मानेगा!
फायर!
गोलियों की घनी बौछार चुंबा को छलनी कर देने के लिए आगे लपकी–
पर तभी- चुंबा के हाथ से एक शक्तिशाली चुंबकीय छड़ निकली।
और चुंबा की तरफ बढ़ती गोलियां अपना रास्ता बदलकर चुंबक से जा चिपकीं।
तुम लोगों ने अपना वार कर लिया।...
...अब चुंबा की बारी है!
क्रोधित चुंबा के दस्तानों से अर्द्धचंद्राकार चुंबकों की एक बौछार निकली –
सट सट सट सट

और सारे सैनिक, डिब्बों से आ चिपके।
अरे! ये तो शक्तिशाली चुंबक के टुकड़े हैं!
और इन्होंने हमारे हाथों को हथकड़ी की तरह जकड़ लिया है।
मैं अपनी सारी ताकत लगाने के बाद भी इससे छूट नहीं पा रहा हूं।
अब तो तुमलोग समझ गए न, कि मैं कितना रहमदिल हूं!
मुझे तुम लोगों की जान नहीं चाहिए!...
मुझे तो सिर्फ यह 'न्यूक्लियर पावर बैटरी' चाहिए।
और मैं तुमको, इसे नहीं ले जाने दूंगा!
सुपर कमांडो ध्रुव!
लगता है कि मैं काफी पापुलर हो गया हूं। काफी अपराधी मुझे देखते ही पहचान जाते हैं।
तो तुम समझते हो कि तुम चुंबा को रोक सकते हो?
पर यह तुम्हारी भूल है!
चुंबा के चुंबकीय वारों की झड़ी के बीच से बचता हुआ ध्रुव...

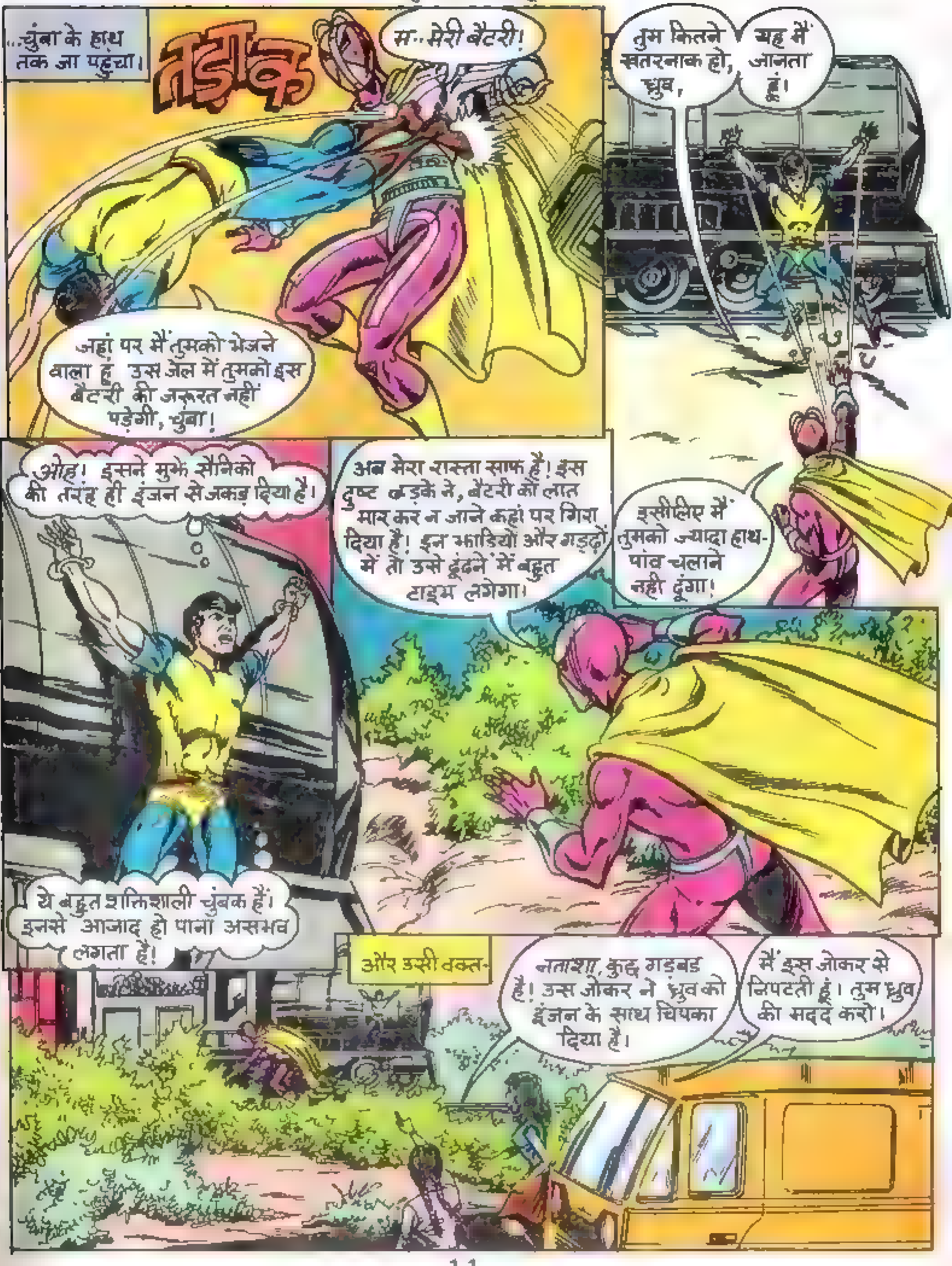
...चुंबा के हाथ तक जा पहुंचा।
तड़ाक
म...मेरी बैटरी!
जहां पर मैं तुमको भेजने वाला हूं उस जेल में तुमको इस बैटरी की जरूरत नहीं पड़ेगी, चुंबा!
तुम कितने खतरनाक हो, ध्रुव,
यह मैं जानता हूं!
इसीलिए मैं तुमको ज्यादा हाथ-पांव चलाने नहीं दूंगा!
ओह! इसने मुझे सैनिकों की तरह ही इंजन से जकड़ दिया है।
ये बहुत शक्तिशाली चुंबक हैं। इनसे आजाद हो पाना असंभव लगता है!
अब मेरा रास्ता साफ है! इस दुष्ट लड़के ने, बैटरी को लात मार कर न जाने कहां पर गिरा दिया है! इन झाड़ियों और गड्ढों में तो उसे ढूंढने में बहुत टाइम लगेगा।
और उसी वक्त-
नताशा, कुछ गड़बड़ है! उस जोकर ने ध्रुव को इंजन के साथ चिपका दिया है।
मैं इस जोकर से निपटती हूं। तुम ध्रुव की मदद करो।

पर यह याद रखना,
...कि इस वक्त तुम चंडिका नहीं, श्वेता हो।
और-
श्वेता! तू यहां पर क्यों आ गई? भाग यहां से।
पकड़े गए तो चिल्ला रहे हो?
यानि तुम चीटिंग कर रहे थे।
तुमको यह रेस ट्रेन पर चढ़कर थोड़े ही जीतनी थी।
मैं ट्रेन पर चढ़ा थोड़े हूं, मूर्ख!
मुझे तो इन चुंबकों ने इंजन से चिपका दिया है। और मैं इनको हिला तक नहीं पा रहा हूं।
अगर ऐसा है तो महान वैज्ञानिक श्वेता की सलाह लें।
चुंबकीय शक्ति की दुश्मन होती है; ऊष्मा, यानि गर्मी!
अब अगर मैं इस इंजन के अंदर से एक दहकता कोयला लेकर...
...चुंबकों से सटा दूं, तो यह दहकती आग चुंबकों की चुंबकीय शक्ति को नष्ट कर देगी।
अरे वाह!
तेरे सिर के गोबर में तो दिमाग की मिक्सिंग भी है।
दूसरी तरफ—
क्या ढूंढ रहे हो, जोकर?
कुछ खो गया है क्या?
जोकर?
म...मैं चुंबा सम्राट जोकर!!

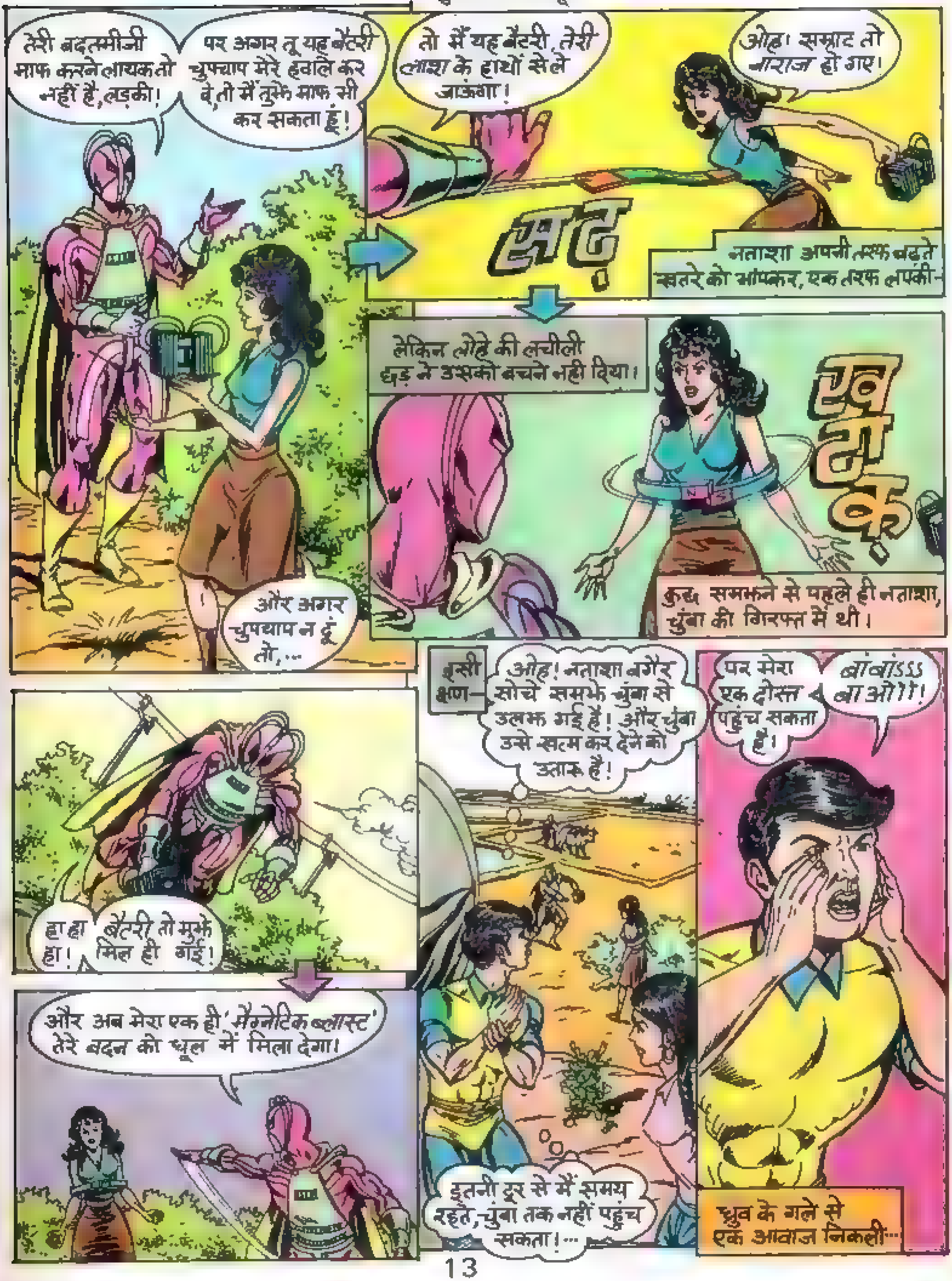
तेरी बदतमीजी माफ करने लायक तो नहीं है, लड़की।
पर अगर तू यह बैटरी चुपचाप मेरे हवाले कर दे, तो मैं तुझे माफ भी कर सकता हूं!
और अगर चुपचाप न दूं तो,...
तो मैं यह बैटरी, तेरी लाश के हाथों से ले जाऊंगा!
ओह! सम्राट तो नाराज हो गए।
सट्
नताशा अपनी तरफ बढ़ते खतरे को भांपकर, एक तरफ लपकी–
लेकिन लोहे की लचीली छड़ ने उसको बचने नहीं दिया।
खटाक
कुछ समझने से पहले ही नताशा, चुंबा की गिरफ्त में थी।
हा हा हा! बैटरी तो मुझे मिल ही गई!
और अब मेरा एक ही 'मैग्नेटिक ब्लास्ट' तेरे बदन को धूल में मिला देगा।
इसी क्षण–
ओह! नताशा बगैर सोचे समझे चुंबा से उलझ गई है! और चुंबा उसे खत्म कर देने को उतारू है!
इतनी दूर से मैं समय रहते, चुंबा तक नहीं पहुंच सकता!...
पर मेरा एक दोस्त पहुंच सकता है!
बांवांऽऽ बाओ!!
ध्रुव के गले से एक आवाज निकली...

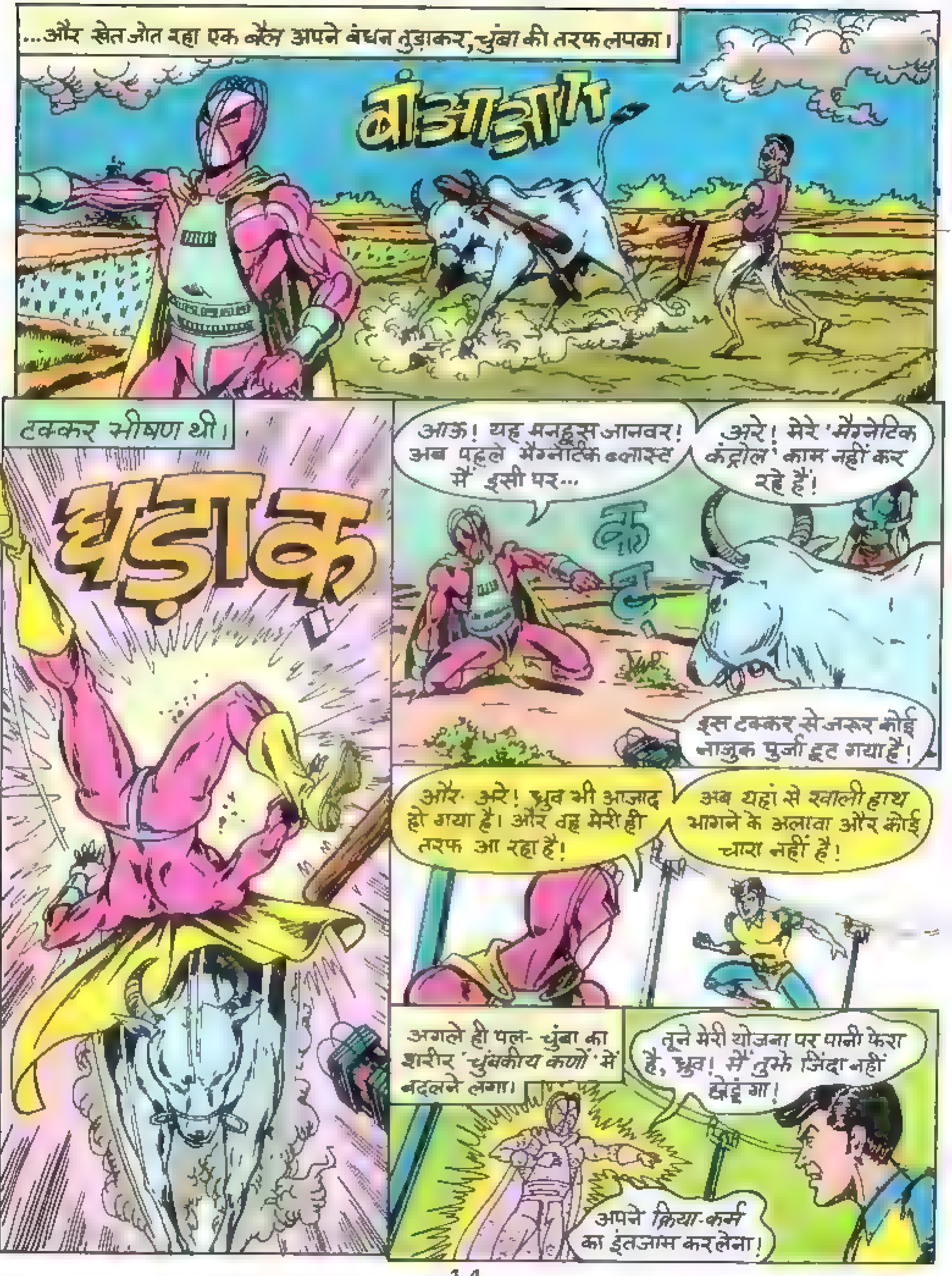
...और खेत जोत रहा एक बैल अपने बंधन तुड़ाकर, चुंबा की तरफ लपका।
बांआआ
टक्कर भीषण थी।
धड़ाक
आऊ! यह मनहूस जानवर! अब पहले मैग्नेटिक ब्लास्ट में इसी पर...
अरे! मेरे 'मैग्नेटिक कंट्रोल' काम नहीं कर रहे हैं!
इस टक्कर से जरूर कोई नाजुक पुर्जा टूट गया है!
और· अरे! ध्रुव भी आजाद हो गया है। और वह मेरी ही तरफ आ रहा है!
अब यहां से खाली हाथ भागने के अलावा और कोई चारा नहीं है!
अगले ही पल- चुंबा का शरीर 'चुंबकीय कणों' में बदलने लगा।
तूने मेरी योजना पर पानी फेरा है, ध्रुव! मैं तुझे जिंदा नहीं छोडूंगा!
अपने क्रिया-कर्म का इंतजाम कर लेना!

और देखते ही देखते—चुंबा का चुंबकीय कणों में बदला शरीर, टेलीफोन के तारों में समा गया।
यह तो मेरा भी गुरु लगता है!
आदमी खतरनाक है। और इसकी धमकी भी खोखली नहीं थी।
कुछ भी हो! पर हमने कम से कम इसको यह बैटरी तो नहीं ले जाने दी।
आखिर यह सब चक्कर है क्या?
इतना कुछ हो जाने के बाद भी कुछ समझ में नहीं आया।
लेकिन ध्रुव को जल्दी ही सैनिकों ने सारी स्थिति समझा दी।
और फिर रामकोटा में—
तुमने आज हमारी बरसों की कड़ी मेहनत को बचा लिया, ध्रुव! दुनिया के कई देश हमारे इस अविष्कार के बारे में जानने के लिए बेताब हैं।
चुंबा जरूर ऐसे ही किसी दुश्मन देश का एजेंट होगा!
पर सवाल यह है कि उसको इस गुप्त यंत्र के बारे में पता कैसे चला?
जाहिर है। उसके भेदिए 'मिसाइल सेंटर' में भी फैले हुए हैं।
असंभव! मुझे अपने हर कर्मचारी की वफादारी का पूरा भरोसा है।
आदमी को गद्दारी के लिए मजबूर करने के कई तरीके हैं, राव साहब।
डायरेक्टर
मिसाइल रिसर्च सेंटर
मुझे तो तुम्हारी बात समझ में नहीं आती।
इस वक्त तो मुझे एक ही बात की चिंता है!...
कि आज हम 'त्रिशूल' मिसाइल की टेस्टिंग नहीं कर पाएंगे! उस मिसाइल की टेस्टिंग, यह बैटरी लगाने के बाद ही होनी थी,...
—और बैटरी आने में इतनी देर हो गई है कि अब टेस्टिंग का समय गुजर चुका है।
मि॰ शर्मा, कल तक के लिए इस बैटरी को किसी सुरक्षित स्थान पर रखवा दीजिए।

अब तक हमारे चार टेस्ट नाकाम हो चुके हैं, ध्रुव! और कारण हम लोगों की समझ में अभी तक नहीं आ पाया है।
हमारी चार टेस्ट मिसाइलें अपना पूर्व निर्धारित रास्ता छोड़कर समुद्र में गिर चुकी हैं!
कहीं इसके पीछे चुंबा का हाथ तो नहीं है, राव साहब?
असंभव! उड़ती मिसाइल का रास्ता बदल देना बच्चों का खेल नहीं है!
तो फिर हमें इजाजत दीजिए, सर! हमारा काम यहां पर खत्म हो गया!
तुम और श्वेता चलो, ध्रुव! मैं मि० राव से एक छोटा सा इंटरव्यू लेकर आती हूं!
ठीक है, नताशा!
हम चलते हैं!
और वहां से दूर कहीं –
न्यूक्लियर बैटरी मेरे हाथों में आकर निकल गई। ओफ्!
मैंने इस गुप्त स्थान पर करोड़ों डॉलर खर्च कर के, मिसाइलें बनाने का यह कारखाना लगाया है। मेरे पास दर्जनों देशों के ऑर्डर मौजूद हैं।
मेरे पास भारत के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वे कई मिसाइलें भी मौजूद हैं जो उन्होंने टेस्टिंग के लिए छोड़ी थीं, और जिनको मैं अपने चुंबकीय जाल में फांसकर इस फैक्ट्री में ले आया।
इनकी नकल करके हम मिसाइलें बना भी सकते हैं। पर उस बैटरी के बिना सब बेकार हैं। क्योंकि कोई भी देश बगैर न्यूक्लियर बैटरी के, मिसाइलें खरीदने में रुचि नहीं दिखा रहा है।
अगर वह बैटरी हमारे हाथ नहीं लगी, तो मेरे करोड़ों डॉलर बर्बाद हो जाएंगे।
धीरज रखिए, सम्राट!
हमारे जासूस को अगर अपने बेटे की जान प्यारी है, तो वह जल्दी ही हमें सूचना अवश्य भेजेगा!
और दूसरी तरफ –
और कोई सवाल पूछना चाहती हैं, मिस नताशा?
नहीं, सर! मेरा इंटरव्यू पूरा हो गया।
अगर आप कुछ और जानना चाहती हों, तो मेरे सेक्रेटरी मि० शर्मा से संपर्क कर सकती हैं।
ठीक है, मि० राव!

नताशा के बाहर निकलते ही —
तुमने उस बैटरी को उसी गुप्त सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है न, शर्मा?
य... यस सर!
उसकी पूरा सुरक्षा बहुत जरूरी है, शर्मा!
हमारे देश के दुश्मन उसको पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।
क्या बात है? तुम कुछ परेशान से लग रहे हो।
कु...कुछ नहीं, सर!
कुछ भी तो नहीं!
ओफ! एक सेकेंड के लिए तो मुझे लगा कि डॉ. राव मुझे पकड़ ही लेंगे।
अब मुझे चुंबा के दिए गए ट्रांसमीटर पर यह गुप्त खबर चुंबा तक भेज देनी चाहिए।
और पास में ही —
अरेरेरे! इंटरव्यू लेते-लेते तो न्यूज सुनने का ध्यान ही नहीं रहा। पर अभी न्यूज खत्म होने में थोड़ा वक्त बचा है।
कम से कम 'वाकमैन' पर हेडलाइनें तो सुनी ही जा सकती हैं।
ओफ! अब येकमबख्त स्टेशन भी गायब हो गया।
अब स्टेशन लगाने में ही एक मिनट की न्यूज...
अरे!
कड़ड़ड़! हैलो, चुंबा! मैं शर्मा बोल रहा हूं।
मेरा ट्रांजिस्टर किसी का मैसेज पकड़ रहा है!
और इस मैसेज के दोनों ही नाम मेरे जाने-पहचाने हैं! शर्मा और चुंबा!
यानि ध्रुव का कहना सही था, और डॉ. राव का कहना गलत।
चुंबा के भेदिए डॉ. राव के आस-पास ही मौजूद हैं!
और पूरा मैसेज सुनकर नताशा की आंखें आश्चर्य से फटती ही चली गईं।

और उसी रात - मिसाइल लांचिंग स्टेशन के डिपो में -
हमारे सुरक्षा-इंतजाम बहुत कड़े हैं, सर ! इस डिपो से आधा किलोमीटर के घेरे के अंदर आने वाला कोई भी संदिग्ध व्यक्ति तुरंत गोली से उड़ा दिया जाएगा।
DEPOT 2
(UNDER ARMY CONTROL)
डिपो की छत पर भी विमानभेदी तोपें लगी हैं।
और सबसे बड़ी बात तो यह है, कि किसी को यह मालूम ही नहीं है, कि बैटरी यहां पर रखी है।
इसीलिए आप निश्चिंत होकर...
अरे! यह जमीन को क्या हो रहा है?
और अगले ही पल-
सारी की सारी सुरक्षा-व्यवस्था धरी की धरी रह गई।
कितने भी पहरे बैठा लो, ...
...ड्रिलमैन को आने-जाने से कोई नहीं रोक सकता।
धड़ाक
क्या चाहते हो तुम ?
मैं कुछ नहीं चाहता! लेकिन मेरे मालिक चुंबा को वह न्यूक्लियर बैटरी चाहिए, जो तुमने यहां पर छिपा कर रखी है।
ओह! तो इसको यह गुप्त रहस्य मालूम है।

भून डालो इसको!
हा.हा.हा! चुंबा सम्राट और उनके सेवकों पर गोलियां बेअसर हैं, मूर्खो।
मेरे शक्तिशाली चुंबक तुम्हारी सारी गोलियों को खींच लेंगे।
धांय
धड़ धड़
तड़ तड़
धांय
लेकिन मेरी 'ड्रिल-गन' से तुम लोगों को कोई भी नहीं बचा पाएगा।
हवा में तेजी से घूमती असंख्य ड्रिलें अपने अलग-अलग निशानों की तरफ लपकीं।
और कई शरीरों को जगह-जगह से छेदती हुई पार निकल गईं।

ड्रिलमैन के सामने, साहसी सैनिक, पांच मिनट भी नहीं ठहर सके।
ईयाऊऊ
मेरी जानकारी के मुताबिक बैटरी इस स्ट्रांग-रूम में रखी है।
आहा। तो इनलोगों ने इसमें बुलेटप्रूफ प्लास्टिक का दरवाजा लगा रखा है।
ताकि चुंबकीय-शक्ति इसपर असर न करे!
पर ड्रिलमैन के पास चुंबकीय शक्तियों के अलावा दो भीषण ड्रिलें भी हैं।
जो देखते ही देखते, इस मजबूत दरवाजे के परखच्चे उड़ा देंगी।
बैटरी इसी के अंदर रखी होगी!
और अब मेरा रास्ता रोकने वाला भी कोई नहीं...
आह!
धड़ाक

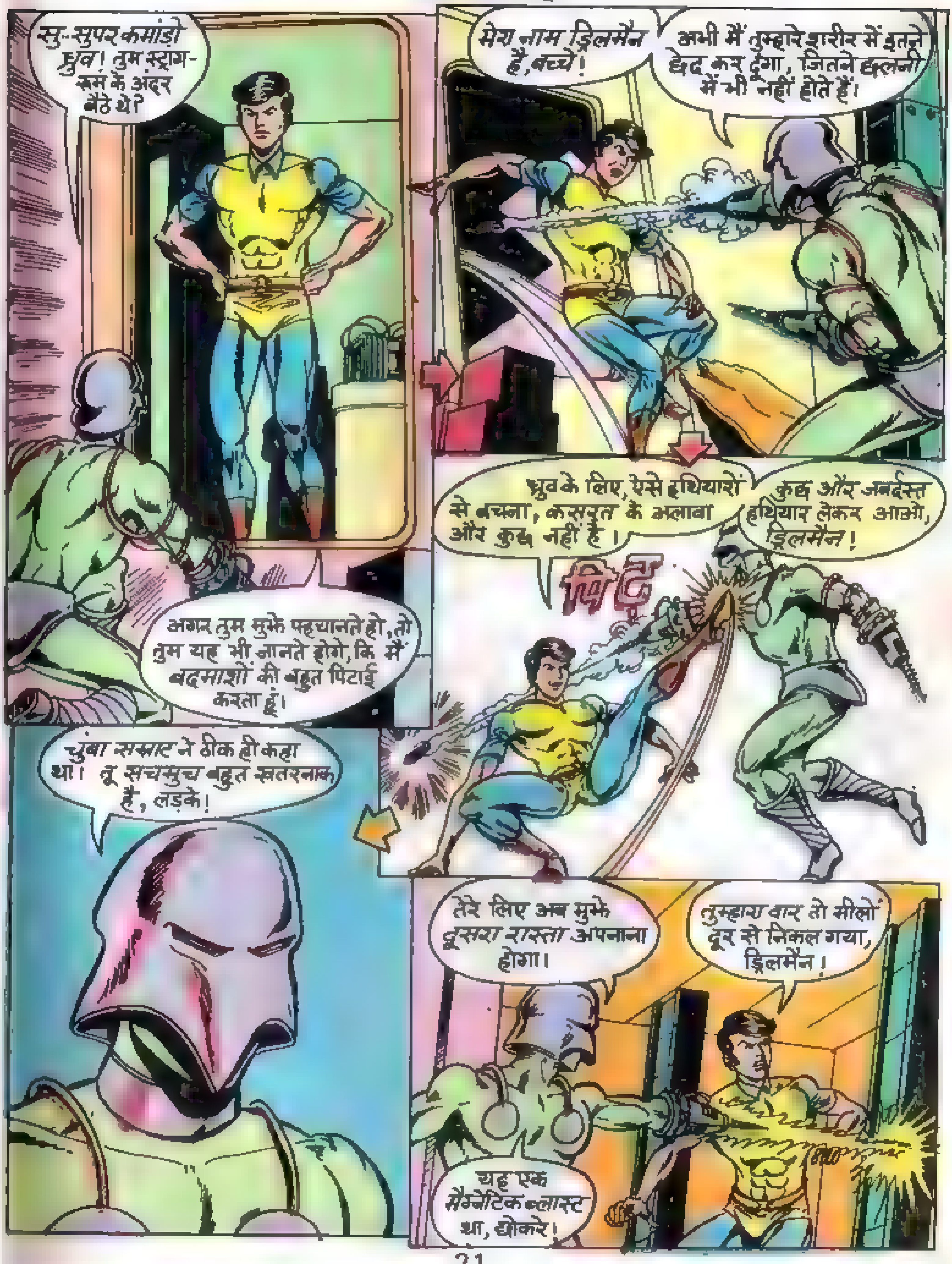
सु-सुपर कमांडो ध्रुव! तुम स्टोर-रूम के अंदर बैठे थे?
अगर तुम मुझे पहचानते हो, तो तुम यह भी जानते होगे, कि मैं बदमाशों की बहुत पिटाई करता हूं।
मेरा नाम ड्रिलमैन है, बच्चे!
अभी मैं तुम्हारे शरीर में इतने छेद कर दूंगा, जितने छलनी में भी नहीं होते हैं।
ध्रुव के लिए, ऐसे हथियारों से बचना, कसरत के अलावा और कुछ नहीं है।
कुछ और जबर्दस्त हथियार लेकर आओ, ड्रिलमैन!
चुंबा सम्राट ने ठीक ही कहा था। तू सचमुच बहुत खतरनाक है, लड़के!
तेरे लिए अब मुझे दूसरा रास्ता अपनाना होगा।
तुम्हारा वार तो मीलों दूर से निकल गया, ड्रिलमैन!
यह एक मैग्नेटिक ब्लास्टर था, छोकरे!

इसने, इस लोहे के खंभे को एक शक्तिशाली चुंबक बना दिया है।
और यह शक्तिशाली चुंबक लोहे की छोटी सी भी चीज को, दूर से ही अपने पास खींच लेगा। जैसे तुम्हारी बेल्ट में लगा हुआ स्टार-बकल!
हवा में उड़ता हुआ ध्रुव का बकल लोहे के खंभे से आ चिपका।
और पलक झपकते, ड्रिलमैन, ध्रुव के सिर पर खड़ा था।
पर इतनी ही देर में, ध्रुव के फुर्तीले हाथ बेल्ट को अपने शरीर से अलग कर चुके थे।
वह एक तरफ लपका-
-और ड्रिल ने लोहे के खंभे को चूर-चूर कर दिया।
कड़ड़
ड्रिलमैन की ड्रिलें ध्रुव की तरफ लपकीं। पर ध्रुव के हाथों ने उनको बीच में ही रोक दिया।
घिर्र र्र र्र
इनको ज्यादा देर तक रोक पाना संभव नहीं होगा।
इसमें सांड जैसी ताकत है।
और अगर ये ड्रिलें मुझसे छू भी गईं, तो मेरे परखच्चे उड़ जाएंगे।
कोई न कोई रास्ता जल्दी ही ढूंढना होगा।
ध्रुव के हाथ बाहर की तरफ ज़ोर लगा रहे थे, और ड्रिलमैन के अंदर की तरफ।
हु र्र र्र र्र र्र र्र
और ड्रिलमैन के हाथों का दबाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था।

अचानक ध्रुव, अपने हाथों को ढीला छोड़कर फुर्ती से नीचे झुक गया।
और ध्रुव के हाथों का दबाव खत्म होते ही ड्रिलमैन के दोनों हाथ एक-दूसरे की तरफ बढ़े।
और दोनों ड्रिलें आपस में टकरा गईं।
हवा में भीषण चिंगारियां उड़ीं।
और एक ड्रिल ने, दूसरी ड्रिल को नष्ट कर दिया।
यह क्या हुआ? मेरी प्यारी ड्रिल टूट गई?
और ऐसा करने के लिए मुझे, तूने मजबूर किया।
अब मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा।
ओह। अब यह 'न्यूक्लियर-बैटरी' के बारे में भूलकर मेरी जान लेने पर तुल गया है।
और अब इसके वार और भी सटीक होते जा रहे हैं। मुझे जल्दी ही इसका हिसाब करना पड़ेगा।
वर्ना इसकी ड्रिल मेरे बदन को शर्तिया छेद देगी! आ...!
असंतुलित होकर ध्रुव, गोदाम में रखे कुछ कंटेनरों पर जा गिरा।
आह! मुझे जल्दी उठना...! अरे! यह क्या है?

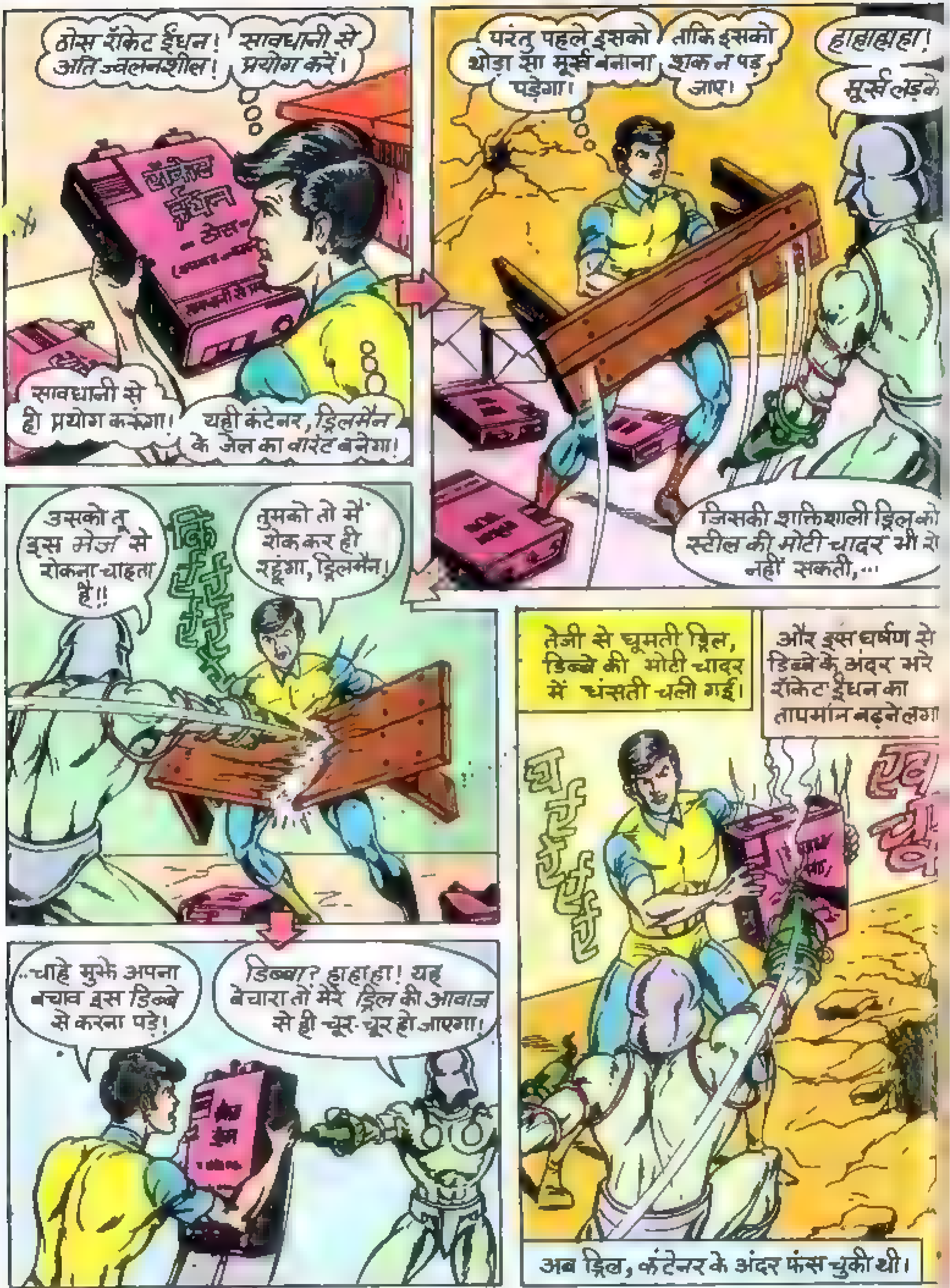
ठोस रॉकेट ईंधन! अति ज्वलनशील!
सावधानी से प्रयोग करें।
सावधानी से ही प्रयोग करूंगा।
यही कंटेनर, ड्रिलमैन के जेल का वारंट बनेगा!
परंतु पहले इसको थोड़ा सा मूर्ख बनाना पड़ेगा।
ताकि इसको शक न पड़ जाए।
हाहाहाहा! मूर्ख लड़के
जिसकी शक्तिशाली ड्रिल को स्टील की मोटी चादर भी रो नहीं सकती,...
उसको तू इस मेज से रोकना चाहता है!!
तुमको तो मैं रोक कर ही रहूंगा, ड्रिलमैन।
...चाहे मुझे अपना बचाव इस डिब्बे से करना पड़े!
डिब्बा? हाहाहा! यह बेचारा तो मेरे ड्रिल की आवाज से ही चूर-चूर हो जाएगा।
तेजी से घूमती ड्रिल, डिब्बे की मोटी चादर में धंसती चली गई।
और इस घर्षण से डिब्बे के अंदर भरे रॉकेट ईंधन का तापमान बढ़ने लगा
अब ड्रिल, कंटेनर के अंदर फंस चुकी थी।

बगैर कोई समय गंवाए, ध्रुव अपने स्थान से उछला। और ड्रिलमैन, पीठ पर एक जोरदार लात खाकर...
धड़ाक
...अपने ही हाथों, खोदी गई कब्र में जा गिरा।
अब तक रॉकेट ईंधन का तापमान खतरनाक हद तक बढ़ चुका था।
और अगले ही पल—
एक भीषण धमाका हुआ।
पर नुकसान गड्ढे तक ही सीमित रहा।
बड़ाम
ड्रिलमैन की ड्रिल ने ही, उसको धराशायी कर दिया था।
अब यह कम से कम तीन महीने तो अस्पताल में रहेगा।
और ठीक होने पर जेल की लंबी सैर को चला जाएगा।
पर चुंबा का पता बताने के बाद!
लेकिन—
ड्रिलमैन बच तो जाएगा, ध्रुव! लेकिन अब उससे कुछ भी जान पाना असंभव है।
ऑपरेशन कक्ष
क्यों, डॉक्टर?
क्योंकि सिर में गहरी चोट लगने से उसकी याददाश्त जाती रही है।

कोई बात नहीं, डॉक्टर साहब!
हमारे पास अभी एक गवाह और मौजूद है।—
—डॉ॰ राव का प्राइवेट सेक्रेटरी, मि॰ शर्मा।
मैंने यह सब अपनी खुशी से नहीं किया है।
चुंबा ने मेरे इकलौते बेटे का स्कूल से अपहरण कर लिया है।
उसने धमकी दी थी, कि अगर मैंने उसको बैटरी का पता नहीं बताया, तो वह मेरे बेटे को मार डालेगा।
मैं तो यह भी नहीं जानता कि चुंबा कौन है, और कहां रहता है!
और दूर कहीं —
ड्रिलमैन पकड़ा गया?
और वह भी ध्रुव के हाथों?
यकीन नहीं होता।
इस ध्रुव को अपने रास्ते से हटाए बगैर, न्यूक्लियर बैटरी को हासिल करना असंभव है।
पर, सम्राट चुंबा, उस शैतान को आप रास्ते से हटाएंगे कैसे?
एक चक्रव्यूह बनाकर! और ध्रुव को अपने चक्रव्यूह में बुलाकर!
यह 'अभिमन्यु' वहीं पर मारा जाएगा।
पर वह चक्रव्यूह में आएगा क्यों?
आएगा! जरूर आएगा!
अगर उसको अपनी बहन को बचाना होगा, तो वह जरूर आएगा।
तुम 'डायनमो' को बुलाओ।
अपनी 'अंडरग्राउंड-लेबोरेट्री' में काम कर रही श्वेता, अपने ऊपर मंडराते खतरे से बेखबर थी।
आहा! बड़ी देर के बाद घर खाली मिला है।
अब अपना मनचाहा काम करने को मिलेगा।

सबसे पहले तो अपने कल के अधूरे टेस्ट को पूरा किया जाए।
उसके बाद... अरे!
तभी कमरे का दरवाजा, एक कड़कड़ाहट के साथ टूट कर नीचे आ गिरा।
कड़ड़क
सामने दिख रही आकृति सचमुच भयंकर थी।
राम, राम! यह तो किसी हॉरर फिल्म का भयानक कैरेक्टर लग रहा है!
मुझे भी डरने की एक्टिंग करनी चाहिए।
आ...आप कौन हैं?
मुझे 'डायनमो' कहते हैं, बिटिया।
मुझे तुम्हारे चुंबा अंकल ने तुमको लेने के लिए भेजा है। वे तुमसे मिलने के लिए बेताब हैं।
चुंबा?
वही, जिसने सुबह ट्रेन पर हमला किया था!
आई! पूरा बदन झनझना रहा है!
यह आदमी तो चलता-फिरता बिजलीघर है।
लगता है कि तू शांति से मेरे साथ नहीं चलेगी।
तुझे बेहोश करना पड़ेगा।
तो फिर डरना कैंसिल! आऊऊऊ!
अगले ही पल-हवा में उड़ता हुआ श्वेता का बदन डायनमो से टकराया।
और साथ ही साथ -- श्वेता को एक भयंकर झटका लगा।

ऐसे यह मुझे तो बेहोश नहीं कर पाएगा, लेकिन मेरी लैब को तहस-नहस कर देगा!
इसको तो मैं दो मिनट में ठिकाने... नहीं!
यह मुझे चुंबा के पास ले जाना चाहता है! और उसके पास तो मैं और ध्रुव खुद भी पहुंचना चाहते हैं।
इसीलिए अच्छा यही होगा, कि यह मेरा अपहरण कर ले।
एसिड
पर उससे पहले मैं भी अपनी थोड़ी सी तैयारी कर लूं।
क्योंकि यह लड़ाई श्वेता नहीं, चंडिका लड़ेगी।
श्वेता ने दो रसायनों की बोतलों को जमीन पर पटक दिया।
और रसायनों के आपस में मिलते ही एक घने धुएं के बादल ने, डायनमो को घेर लिया।
ओफ्! यह धुआं! खौं खौं खौं! कुछ दिख नहीं रहा है!
वेरी गुड!
और अब इसको रबर के पाइप से पकड़ कर के...
इस कमरे में बंद कर दिया जाए।
जब तक यह कमरे से बाहर निकलेगा, इतनी देर में मैं इसके लिए तैयार हो चुकी होऊंगी।

अरे!
इस छोकरी ने मुझे बंद कर दिया है?
पर इसका कोई फायदा नहीं होगा।
मेरे 'इलेक्ट्रिक बोल्ट' की कड़कड़ाहट तो पत्थर तक को पिघला देती है।
कोई भी दरवाजा या दीवार, डायनमो का रास्ता नहीं रोक सकते।
अब तू मुझसे नहीं बच पाएगी, लड़की!
एक विद्युत-तरंग, श्वेता की तरफ बढ़ी।
और श्वेता चीखकर गिर पड़ी।
आईईई
ओफ! आजकल की लड़कियाँ तो, लड़कों के भी कान काटती हैं।
पर जीत आखिरकार मेरी ही हुई।
हाहाहा हा!
और वहां से दूर—
अब हमको, न्यूक्लियर बैटरी लगाकर, मिसाइल 'त्रिशूल' का परीक्षण जल्दी से जल्दी करना पड़ेगा।
डायरेक्टर

चुंबा दो बार नाकामयाब हो चुका है। हम उसके कामयाब होने का इंतजार नहीं कर सकते।
मेरा भी यही ख्याल है, सर! आप मिसाइल छोड़ने की तैयारी ज़रूर कीजिए।...
...पर मेरी योजना के अनुसार।
और अगर मेरी योजना सफल हो गई, तो न्यूक्लियर बैटरी भी बच जाएगी,...
और चुंबा भी पकड़ा जाएगा।
इधर ध्रुव, चुंबा के लिए अपनी योजना बना रहा था...
...और दूसरी तरफ, चुंबा, ध्रुव के लिए अपना चक्रव्यूह।
ध्रुव को खत्म करने के लिए मेरा चक्रव्यूह तैयार है। पर तुम तैयार हो या नहीं, डायनमो?
आप चिंता मत कीजिए, सम्राट। चक्रव्यूह के पहले द्वार पर मैं मौजूद हूं।
और इसी द्वार पर ध्रुव का खात्मा हो जाएगा!
शाबास, डायनमो!
ध्रुव को खत्म करने के बाद उस बैटरी को हासिल करना मामूली काम होगा।
चुंबा का शरीर, फिर चुंबकीय कणों में बदलकर, तारों में समा गया।
ध्रुव को चक्रव्यूह में बुलाने की तैयारी शुरू हो चुकी थी।
अरे! यह क्या?
श्वेता की 'अंडरग्राउंड लैब' का दरवाजा टूट कैसे गया?

अंदर घुसते ही ध्रुव स्तब्ध रह गया।
हे भगवान! यहां तो लगता है कि अभी-अभी कोई बवंडर आ कर गया है।
श्वेता भी कहीं नजर नहीं आ रही है।
तभी- कमरे में रखा टेलीविजन अपने-आप, ऑन हो गया।
क्लिक
सुपर कमांडो ध्रुव!
तुम्हारी प्यारी बहन श्वेता हमारे कब्जे में है।
चुंबा!
अगर तुम उसको जिंदा देखना चाहते हो, तो बगैर कोई वक्त खोए, तुरंत राजनगर नेशनल फॉरेस्ट के पुराने गेस्ट हाउस में पहुंचो। अकेले!
अगर किसी को भी साथ लाए तो तुमको वहां पर तुम्हारी बहन के एक नहीं, बल्कि दो टुकड़े मिलेंगे।
ध्रुव बाहर जाने के लिए घूमा-
अब ये गुंडे, श्वेता के जरिए मुझपर वार करना चाहते हैं।
ऐसा पहले भुजंग ने किया था, और अब...☆
अरे! टेबल पर यह चिट्ठी कैसी रखी है?
चिट्ठी उठाते ही, ध्रुव की काफी चिंताएं दूर हो गईं।
श्वेता की निगरानी मैं कर रही हूं!
और पुराने गेस्ट हाउस की तरफ बढ़ते वक्त, उसका दिमाग काफी निश्चिंत था।

☆ पढ़िए 'एक दिन की मौत'

डायनमो बेताबी से अपने शिकार का इंतजार कर रहा था।
क्या बात है? अभी तक वह छोकरा यहां पर पहुंचा क्यों नहीं?
पर 'छोकरा' वहां पहुंच चुका था।
इस पेड़ की डाल, मुझको चुपचाप, गेस्ट हाउस के अंदर पहुंचा देगी।
और इससे पहले कि चुंबा मुझे ढूंढ पाए; मैं श्वेता को ढूंढ लूंगा।
पर यह कैसे पता चलेगा कि इतने बड़े गेस्ट हाउस में, चुंबा ने श्वेता को कहां पर रखा है?
हर कमरे को चेक करना तो नामुमकिन---!
तभी-तेज रोशनियां जल उठीं।
अपनी मौत को एक नजर देख तो लो।
डायनमो अपने हर शिकार को यह मौका जरूर देता है।
हीही ही!
आंखें बंद मत करो, कमांडो!
तो चुंबा ने फिर अपना एक और जूनियर भेजा है!
तुम्हारी शर्त के मुताबिक मैं आ गया हूं, डायनमो! अब तुम श्वेता को छोड़ दो।
हम तुम्हारी लाश के साथ-साथ, उसकी लाश भी घर पहुंचा देंगे, कमांडो!

यह मुझे मालूम था कि मामला इतनी आसानी से नहीं-- याऊऊऊ!
ध्रुव का घूंसा लगते ही डायनमो के साथ-साथ, ध्रुव भी चीख उठा।
क्योंकि डायनमो को छूते ही उसके शरीर में एक तेज करेंट दौड़ गया था।
ओह! इसके तो पूरे शरीर में तेज करेंट दौड़ रहा है।
सिर्फ मेरे बदन में ही नहीं, बल्कि इस कमरे की दीवारों और फर्श में भी करेंट दौड़ रहा है।
अब तक तो तुमको रबर सोल के जूतों ने, करेंट से बचाया हुआ है, पर तुम ज्यादा देर तक नहीं बच पाओगे।
कड़क
यह ठीक कह रहा है।
फर्श या दीवार का हल्का सा स्पर्श भी, मेरे लिए मौत का स्पर्श साबित होगा।
पर ऐसी भी कई चीजें हैं, जिनपर बिजली का असर नहीं होता!...
...जैसे लकड़ी!
तू अभी मेरी शक्तियों को जान नहीं पाया है, ध्रुव!
वर्ना ऐसी बचकानी हरकत तू कभी न करता। मेरे इलेक्ट्रिक बोल्ट किसी भी चीज को चूर-चूर कर सकते हैं।
कड़ाक

और इस 'किसी भी चीज' में तुम्हारा शरीर भी शामिल है।
इसके 'इलेक्ट्रिक बोल्टों' की बौछारों के बीच से इस तक पहुंचना असंभव है।
और इनसे बच पाना तो और भी मुश्किल है।
इसलिए इसके 'विद्युत-तरंग वारों' का रास्ता बंद करना पड़ेगा! और विद्युत तरंग को रोकने का यंत्र बहुत साधारण सा होता है।
लोहे की एक नुकीली छड़!
जिसको 'तड़ितचालक' कहते हैं, और जो हर ऊंची बिल्डिंग में इसलिए लगाया जाता है, ताकि आंधी-तूफान के समय इमारत पर गिरने वाली बिजली को यह अपनी तरफ खींच ले।...
और इमारत सुरक्षित बच जाए।
ध्रुव का ख्याल सही निकला।
लोहे की नुकीली छड़ ने डायनमो के विद्युत वारों को खींचना शुरू कर दिया।
और ध्रुव का डायनमो तक पहुंचना आसान हो गया।
देखा, बेटा डायनमो! पढ़ाई-लिखाई कभी बेकार नहीं जाती है।
और अब मैं तुम्हारी पिटाई सिर्फ रबर सोल वाले बूटों से करूंगा।
यह लड़का खतरनाक है।
मुझको अपनी वोल्टेज को और बढ़ाना होगा।...

...इतनी हाई वोल्टेज, जो इस लोहे की छड़ को भी...
...पिघला दे।
पलक झपकते ही लोहे की छड़, लाल होकर पिघलने लगी।
ध्रुव को मजबूर होकर तुरंत छड़ छोड़ देनी पड़ी।
अब मेरा 'हाई-वोल्टेज बोल्ट' तुझे भी लोहे की रॉड की तरह ही गला देगा।
ध्रुव तुरंत एक तरफ लपका-
'बोल्ट', ध्रुव को छू तो नहीं पाया-
धड़ाम
लेकिन 'बोल्ट' के धमाके ने ध्रुव को दीवार की तरफ उछाल दिया।
और दीवार से टकराते ही, एक बार फिर, ध्रुव के शरीर में, हाई वोल्टेज का करेंट दौड़ गया।
आऊऊऊ! इसने तो मुझे बिजली के पिंजरे में कैद कर लिया है!
इस पर अगर मैं जल्दी काबू नहीं पा सका, तो जल्दी ही मेरा राम-नाम सत् हो जाएगा।
इसके 'विद्युत तरंगों' को खत्म कर देना ही, इसको रोक पाने का एकमात्र रास्ता है।
पर सवाल है कि कैसे?

तभी – हवा में तैरती एक हल्की सी महक ने ध्रुव का ध्यान आकृष्ट कर लिया।
इस कमरे में जलने की बदबू के साथ-साथ, पेट्रोल की भी महक आ रही है।
कड़ाक
मतलब साफ है।
डायनमो के शरीर में बिजली पैदा करने के लिए एक शक्तिशाली मिनी जेनरेटर लगा है, जो पेट्रोल से चलता है।
और पेट्रोल की टंकी, इसकी पीठ पर लगा हुआ, वह 'बॉक्स' ही हो सकता है।
ध्रुव ने हवा में एक गुलाटी खाई–
और उसके जूते की नुकीली नोक की एक जबर्दस्त ठोकर, पेट्रोल टैंक पर आ लगी।
ठक
ठोकर टैंक में एक छेद कर देने के लिए काफी थी।
टैंक से पेट्रोल की एक पतली धार, जमीन पर गिर कर फैलने लगी।
अब जल्दी ही इसके टैंक से पेट्रोल खत्म हो जाएगा।
और साथ ही साथ इसका जेनरेटर भी काम करना बंद कर देगा।
और उसके बाद इस पर काबू पाना बाएं हाथ का काम होगा।
लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था।
टैंक से गिरता पेट्रोल, बहकर लोहे की लाल तपती छड़ तक पहुंच गया था

और देखते ही देखते – आग, पेट्रोल की धार पर चढ़ती हुई टैंक के अंदर तक आ पहुंची।
और एक धमाके के साथ, डायनमो धराशायी हो गया।
धड़ाक
चलो! यह तो अपने ही आप बेहोश हो गया। मुझे मेहनत नहीं करनी पड़ी। अब श्वेता को आराम से ढूंढा ...
श्वेता, गेस्ट हाउस में नहीं है, कमांडो!
यह तो चुंबा की आवाज है।
तुम्हारी बहन, मेरे पास है। उसतक पहुंचने के लिए तुमको सी-प्वाइंट पर खड़ी एक मोटरबोट में बैठना होगा।
वह मोटर बोट तुमको अपने आप तुम्हारी मंजिल तक पहुंचा देगी।
जल्दी करो। एक-एक पल कीमती है।
मेरे व्यूह का पहला भाग नष्ट हो गया।
डायनमो हार गया! पर यह खतरनाक लड़का मेरे व्यूह का दूसरा भाग पार नहीं कर पाएगा।
कभी नहीं!

ध्रुव ने 'सी-प्वाइंट' पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लिया।
तो इसको चुंबा, 'मोटरबोट' कहता है!
पर इसमें 'मोटर' तो है ही नहीं!
यह आखिर चलेगी कैसे?
पर ध्रुव के बैठते ही बोट अपने आप एक तरफ चल पड़ी।
ओह! यानि चुंबा, अपनी चुंबकीय शक्ति से, इस लोहे की बोट को अपनी तरफ खींच रहा है!
खैर, देखूं कि यह यात्रा कहां पर खत्म होती है!
बोट एकाएक समुद्र के बीच में ही रुक गई।
और अगले ही पल-
?
-पानी के अंदर से निकल कर, एक भयानक आकृति, ध्रुव के सामने खड़ी हो गई।
तुम्हारे जीवन की यात्रा यहीं पर खत्म होती है, सुपर कमांडो ध्रुव!
चुंबा सम्राट का सेवक, 'टरबाइन' तुमको अभी और यहीं, इस जीवन से मुक्ति दिला देगा!
और यहां पर दूर-दूर तक, तुम्हारी मदद के लिए पानी के अलावा और कुछ नहीं है।
टरबाइन के हाथ के घूमते तेज ब्लेडों ने लोहे की नाव का बुरादा बना दिया।

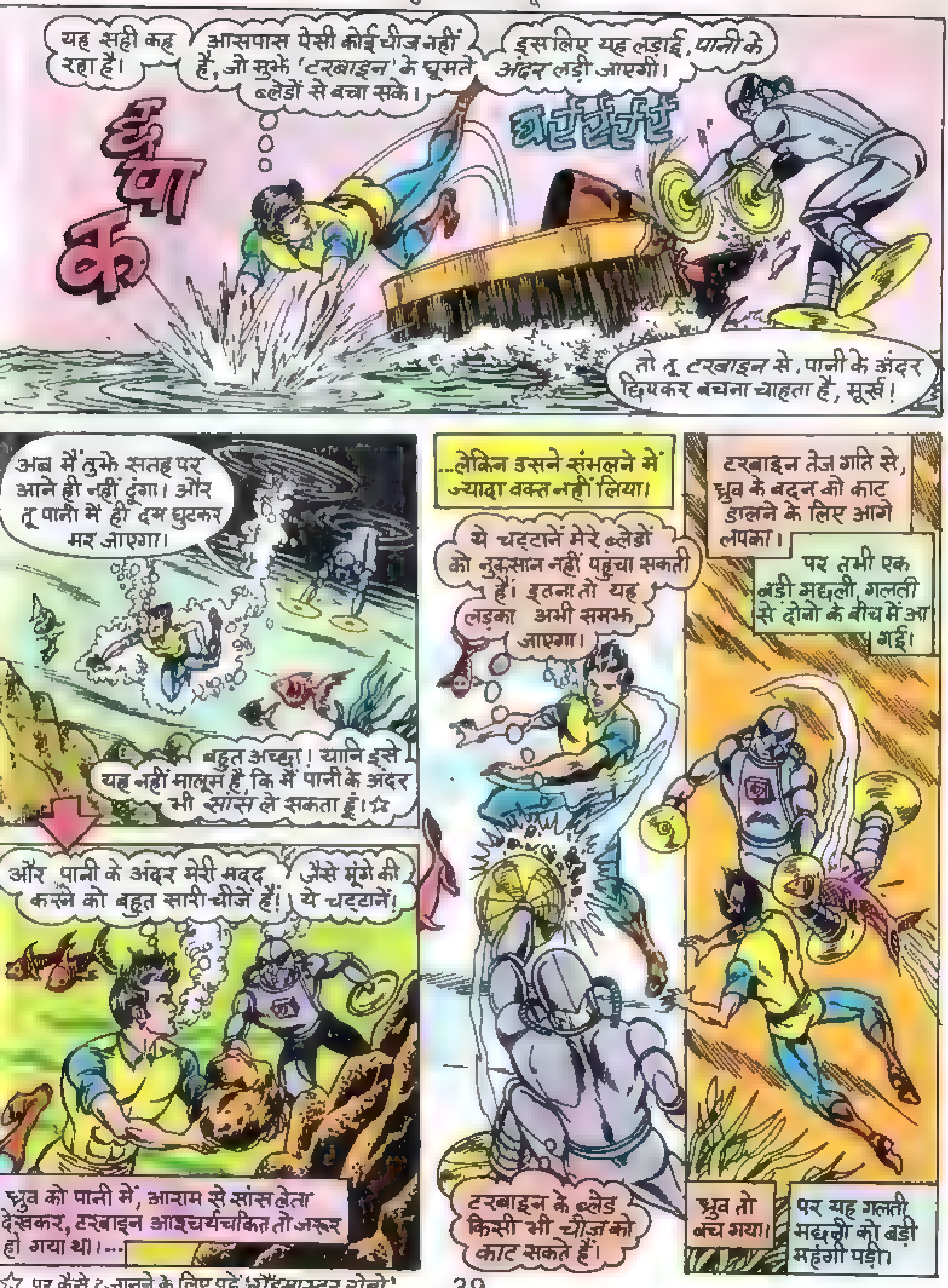

☆ पर कैसे? जानने के लिए पढ़ें 'ग्रैंडमास्टर रोबो'

पैरों में लगे, 'प्रोपेलरों' की वजह से पानी में इसकी गति बहुत तेज है। इससे ज्यादा देर तक नहीं बचा जा सकता।
लेकिन अगर इसके हाथों में लगे, पंखों को रोका जा सके, तो कुछ बात बन सकती है।
शायद ये घनी 'सेवार' इसके पंखों में फंस कर इनको जाम कर सके।
ध्रुव ने सेवार को, टरबाइन की तरफ उछाला-
लेकिन घूमते ब्लेडों ने सेवार के मजबूत पौधों को साग की तरह काट डाला।
टरबाइन के सामने कोई चाल नहीं चल सकती।
इसपर तो कुछ असर ही नहीं हो रहा है।
ये चट्टानें देखने में दूसरी चट्टानों से भिन्न लग रही हैं शायद ये मेरी कुछ मदद कर सकें।
पर... ओह! इनके अंदर से तो कोई चिप चिपा पदार्थ निकल रहा है।
और उसने इन सारी चट्टानों को आपस में चिपका रखा है।
मेरा हाथ भी इनसे चिपक गया है।
और अब टरबाइन इधर ही आ रहा है।
इसको कम से कम कुछ सेकेंडों के लिए रोका तो जा ही सकता है।
पर इसको हराने का कोई उपाय जल्दी ही निकालना पड़ेगा...
अरे वाह!
मिल तो गया उपाय!

अगले ही पल — चट्टानों के सामने खड़े ध्रुव की तरफ, टरबाइन तेजी से लपका —
और उसके घूमते तेज ब्लेड, चट्टानों को काटते हुए अंदर तक घुस गए। और एक घरघराहट के साथ—
मेरे पंखे जाम हो गए हैं।
चट्टानों के अंदर जमे, लिसलिसे और गाढ़े पदार्थ ने टरबाइन के पंखों को बेकार कर दिया था।
?
और ध्रुव ने इस मौके का तुरंत फायदा उठाया।
आह! मेरा दम घुट रहा है! मैं बेहोश हो रहा हूं!
हाऽऽह! यह तो गया स्वप्नलोक की सैर पर!
परंतु इसने मेरी... यानि चुंबा की बोट को नष्ट कर दिया है। अब आखिर मैं...
...जाऊंगा कहां?
पर तभी—टरबाइन के पैरों में लगे प्रोपेलर और तेजी से घूमने लगे।..
...और ध्रुव एक विचित्र सवारी पर तेजी से एक तरफ बढ़ने लगा।

ओफ़! इसने मेरे चक्रव्यूह का दूसरा भाग भी तोड़ दिया?
पर चक्रव्यूह के तीसरे हिस्से में इसकी मौत निश्चित है।
क्योंकि तीसरा भाग, मेरे किले में ही रचा गया है।
टरबाइन ने ध्रुव को मंजिल तक पहुंचा दिया था।
ओह! यह मुझे यहां पर क्यों ले आया है? यहां पर तो इस विशाल चट्टान के अलावा और कुछ नहीं है!
पर इसका कुछ न कुछ मतलब तो जरूर होगा!
तभी- ध्रुव के बगल की धरती फट पड़ी।
हिस्स्स
ओह! अगर मैं एक फुट और उधर होता, तो भुन जाता!
पर ये तो 'गीजर' हैं।
धरती के गर्भ से उठने वाले गर्म भाप के फव्वारे! और ये एक निश्चित समय के बाद फटते रहते हैं।
ठीक समझे, कमांडो!
चुंबा की आवाज!
यह चुंबा के चक्रव्यूह का तीसरा चरण है।
और इस तीसरे भाग में तुमको, यह युद्ध, भाप के फव्वारों के बीच लड़ना है...
...मेरे पालतू केकड़ाल से।
जो मेरी चुंबकीय किरणों के वातावरण में पलकर, विशालकाय और घातक बन गया है।

यह खतरनाक तो बेशक है।
लेकिन इससे लड़ने के लिए, यहां पर चट्टानों की कोई कमी नहीं- अरे!
ध्रुव द्वारा फेंकी गई चट्टान को, केकड़ाल ने बड़ी सफाई से, अपने पंजे में पकड़ लिया।
और-
ओ! यह तो चट्टान को बिस्कुट की तरह खा रहा है।
कड़च
इससे पहले कि ध्रुव इस आश्चर्य से संभल पाता।-
केकड़ाल के पंजों ने उसको हवा में उछाल दिया।
ध्रुव उछलकर दूर जा गिरा।
लेकिन-
कमाल है। इतनी सख्त चट्टानें भी इसकी आंखों से टकराकर टुकड़े-टुकड़े हो गईं।
परंतु--अगले ही पल, ध्रुव को एक बार फिर उछलना पड़ा।
ओह! इसने मुझे गीजर के मुहाने पर फेंका था।
यानि यह इस जगह को अच्छी तरह से पहचानता है।
अगर मैं इन नुकीले पत्थरों से इसकी आंखें फोड़ दूं, तो शायद मैं इसको किसी तरह से खत्म कर सकता हूं।
कड़ तड़क
और अब यह बहुत तेजी से मेरी तरफ आ रहा है!...

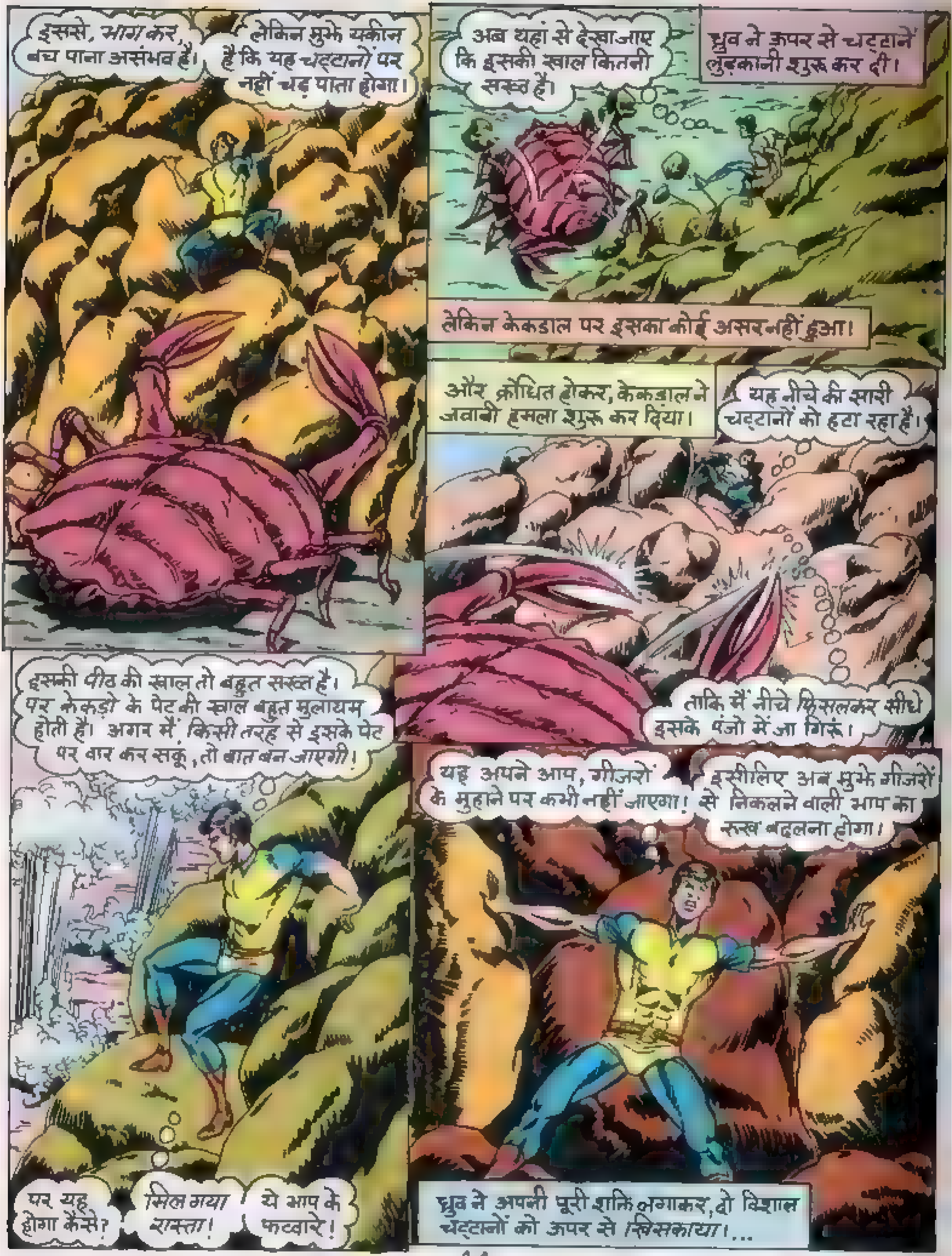
इससे, भाग कर, बच पाना असंभव है।
लेकिन मुझे यकीन है कि यह चट्टानों पर नहीं चढ़ पाता होगा।
अब यहां से देखा जाए कि इसकी खाल कितनी सख्त है।
ध्रुव ने ऊपर से चट्टानें लुढ़कानी शुरू कर दीं।
लेकिन केकडाल पर इसका कोई असर नहीं हुआ।
और क्रोधित होकर, केकडाल ने जवाबी हमला शुरू कर दिया।
यह नीचे की सारी चट्टानों को हटा रहा है।
ताकि मैं नीचे फिसलकर सीधे इसके पंजों में जा गिरूं।
इसकी पीठ की खाल तो बहुत सख्त है। पर केकड़े के पेट की खाल बहुत मुलायम होती है। अगर मैं किसी तरह से इसके पेट पर वार कर सकूं, तो बात बन जाएगी।
पर यह होगा कैसे?
मिल गया रास्ता!
ये भाप के फव्वारे!
यह अपने आप, गीजरों के मुहाने पर कभी नहीं आएगा।
इसीलिए अब मुझे गीजरों से निकलने वाली भाप का रुख बदलना होगा।
ध्रुव ने अपनी पूरी शक्ति लगाकर, दो विशाल चट्टानों को ऊपर से खिसकाया।...

... और चट्टानों ने नीचे गिरकर 'गीजरों' के मुहाने को बंद कर दिया।
भाप के निकलने का रास्ता बंद हो जाने से, भाप ने पूरी जमीन पर जोर मारना शुरू कर दिया।
धुडम
कुछ देर तक तो चट्टानी जमीन ने भाप के भीषण दबाव को सहा...
...लेकिन आखिरकार भाप ने, चट्टानी सतह को पतले कागज की तरह फाड़ दिया।
और केकड़ाल का पूरा शरीर, उसी गर्म भाप में उबल गया।
बबडाममम
और पास में ही कहीं-
आहा! तो यह है चुंबा का गुप्त अड्डा! और यहां पर वह मिसाइलें बनाना चाहता है।
इतना तो मुझे इसकी बातों से पता चल गया है।
चुंबा ने मुझ पर कोई पहरा नहीं बिठाया है।
शायद उसको एक छोटी सी लड़की से, किसी खतरे की उम्मीद नहीं है।
और यहीं गलती, अब चुंबा की आखिरी गलती साबित होगी।
क्योंकि वह छोटी सी श्वेता अब...
... अपराधियों का काल चंडिका बनने जा रही है।

और कुछ ही सेकेंडों बाद जब चंडिका अपनी कैद से बाहर निकली, तो रास्ता साफ था।
दूसरी तरफ – ध्रुव अपनी छानबीन में व्यस्त था।
एक रोशनी की किरण, इस दरार से बाहर आ रही है।
यानि मेरी मंजिल इस दरार के अंदर ही है।
पर अंदर घुसते ही ध्रुव, आश्चर्यचकित रह गया।
चट्टान के अंदर, पूरा एक किला बना हुआ था।
अरे वाह! बाहर से देखकर कोई यह सोच भी नहीं सकता, कि यह चट्टान अंदर से खोखली होगी! और इसके अंदर एक किला बना होगा।
यह जरूर चुंबा का वही गुप्त अड्डा होगा, जहां श्वेता कैद है।
इन ड्रमों में किसी तरह का खतरनाक एसिड भी रखा है।
यानि यहीं पर चुंबा ने कोई गैरकानूनी चीज बनाने की फैक्ट्री भी लगा रखी है।
इस मामले की और गहराई से छानबीन करनी...
तभी ध्रुव के पीछे एक धमाका हुआ।
ओह! यह आदमी तो भीमकाय है!
इससे निपटना आसान नहीं होगा!

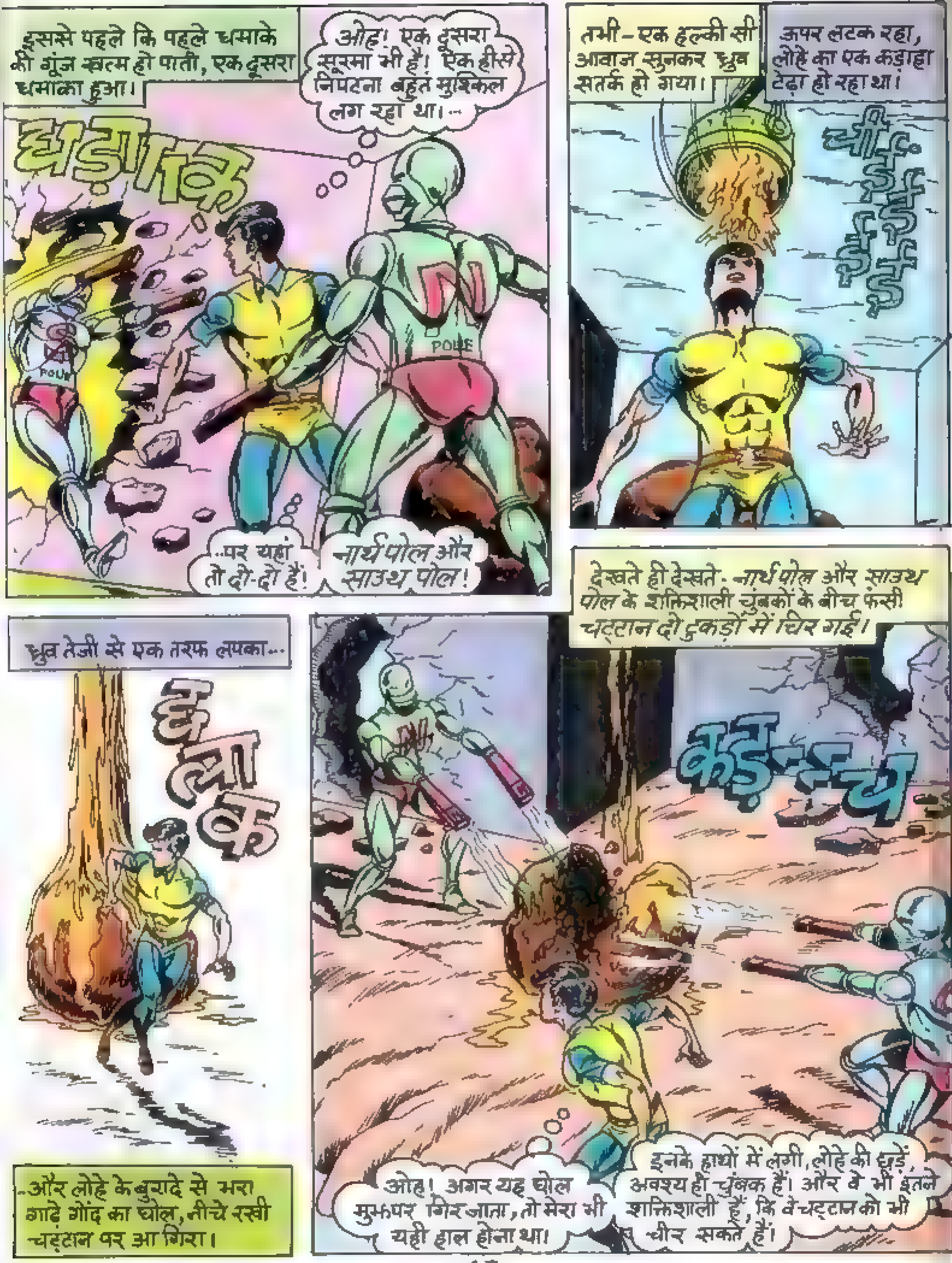
इससे पहले कि पहले धमाके की गूंज खत्म हो पाती, एक दूसरा धमाका हुआ।
ओह! एक दूसरा सूरमा भी है! एक ही से निपटना बहुत मुश्किल लग रहा था।...
धड़ाक
POLE
POLE
..पर यहां तो दो-दो हैं!
नार्थ पोल और साउथ पोल!
तभी-एक हल्की सी आवाज सुनकर ध्रुव सतर्क हो गया।
ऊपर लटक रहा, लोहे का एक कड़ाहा टेढ़ा हो रहा था।
चीं
ध्रुव तेजी से एक तरफ लपका...
छलाक
..और लोहे के बुरादे से भरा गाढ़े गोंद का घोल, नीचे रखी चट्टान पर आ गिरा।
देखते ही देखते- नार्थ पोल और साउथ पोल के शक्तिशाली चुंबकों के बीच फंसी चट्टान दो टुकड़ों में चिर गई।
कड़-ड़च
ओह! अगर यह घोल मुझपर गिर जाता, तो मेरा भी यही हाल होना था।
इनके हाथों में लगी, लोहे की छड़ें, अवश्य ही चुंबक हैं। और वे भी इतने शक्तिशाली हैं, कि वे चट्टान को भी चीर सकते हैं।

कड़ाक
इस चट्टान पर गिरे घोल में जरूर लोहे का बुरादा मिला हुआ है। और अब यह चट्टान ही इन दोनों का कबाड़ा करेगी।
अगले ही पल, ध्रुव ने बिजली की सी फुर्ती से, चट्टान के दोनों टुकड़ों को नार्थ पोल और साउथ पोल की तरफ उछाल दिया।
चटाक
शक्तिशाली चुंबकों के खिंचाव से, दोनों टुकड़े, गोली की सी रफ्तार से, दोनों गुंडों की तरफ लपके।
और इससे पहले कि आश्चर्यचकित नार्थ और साउथ पोल अपनी चुंबकीय किरणों को बंद कर पाते, चट्टानों ने दोनों के चुबकों का काम तमाम कर दिया।
पर खतरा अभी पूरी तरह से नहीं टला था।
और पहला वार ध्रुव को ही करना था।
तड़ाक
इनके लौह-कवच पर तो मेरे वारों का असर होना मुश्किल है।
इसलिए इनको, लौह कवचों से बाहर निकालना पड़े...
पर अब तक नार्थ पोल और साउथ पोल संभल चुके थे।
कस कर पकड़ना, नार्थ! यह छूटने न पाए।
इसको 'मॉलिक्यूलर एसिड' के ड्रम में घुसेड़ दो।...
...फिर इसकी हड्डियों का भी पता नहीं चलेगा।
ध्रुव के, छूट पाने के हर प्रयास बेकार साबित हो रहे थे।
और एसिड से भरा ड्रम उसके चेहरे के और नजदीक आता जा रहा था।

तभी– दोनों हत्यारों के पैरों में दो रस्सियां आ फंसी।
और एक झटके से दोनों हत्यारे जमीन पर लुढ़क गए।
चंडिका, घटनास्थल पर पहुंच गई थी।
बस, तुम्हारी ही कमी थी, चंडिका। श्वेता कहां है?
श्वेता एकदम सुरक्षित है, ध्रुव! तुम उसकी चिंता छोड़ दो।
और इन दोनों महानुभावों की तरफ ध्यान दो। ...
... वर्ना पूरे शरीर की डेंटिंग- पेंटिंग करानी पड़ेगी।
इनके चुंबक तोडकर मैंने इनको अपंग तो पहले ही कर दिया है, चंडिका।
अब सिर्फ इनको लौह-कवच से बाहर निकालना बाकी है।
और उसका तरीका आसान सा है! अब अगर मि. नार्थ पोल डूबकर मरना नहीं चाहते...
-तो इनको कवच से बाहर निकलना ही पड़ेगा।
तड़
छपाक

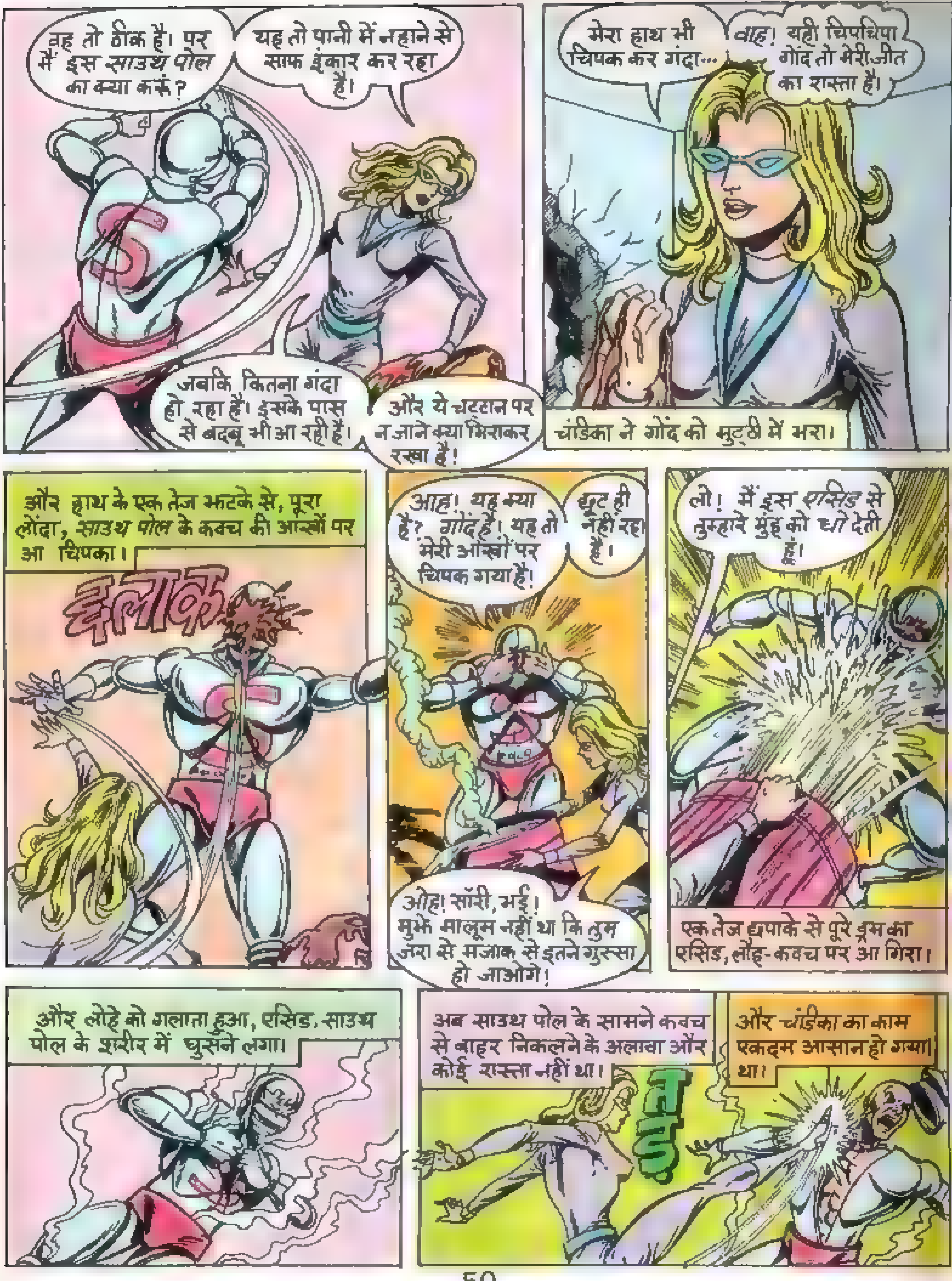
वह तो ठीक है। पर मैं इस साउथ पोल का क्या करूं?
यह तो पानी में नहाने से साफ इंकार कर रहा है।
जबकि कितना गंदा हो रहा है। इसके पास से बदबू भी आ रही है।
और ये चट्टान पर न जाने क्या भिराकर रखा है!
मेरा हाथ भी चिपक कर गंदा...
वाह! यही चिपचिपा गोंद तो मेरी जीत का रास्ता है।
चंडिका ने गोंद को मुट्ठी में भरा।
और हाथ के एक तेज झटके से, पूरा लौंदा, साउथ पोल के कवच की आंखों पर आ चिपका।
आह! यह क्या है? गोंद है! यह तो मेरी आंखों पर चिपक गया है!
छूट ही नहीं रहा है।
ओह! सॉरी, भई! मुझे मालूम नहीं था कि तुम जरा से मजाक से इतने गुस्सा हो जाओगे!
लो! मैं इस एसिड से तुम्हारे मुंह को धो देती हूं।
एक तेज छपाके से पूरे ड्रम का एसिड, लौह-कवच पर आ गिरा।
और लोहे को गलाता हुआ, एसिड, साउथ पोल के शरीर में घुसने लगा।
अब साउथ पोल के सामने कवच से बाहर निकलने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था।
और चंडिका का काम एकदम आसान हो गया था।

और दूसरी तरफ-पानी में गिरे नार्थ पोल को भी मजबूर होकर, अपने लौह कवच से बाहर निकलना पड़ा।
धड़ाक
और बाहर निकलते ही ध्रुव ने उसको मीठी नींद में सुला दिया।
चुंबा के चक्रव्यूह का चौथा भाग भी टूट गया, चंडिका!
इसके अंदर तो सिर्फ चुंबा की मिसाइल फैक्ट्री है।
मिसाइल बनाने की फैक्ट्री। ओ माई गॉड! फिर तो वही इस चक्रव्यूह का पांचवां और अंतिम भाग होगा!
और वह सबसे खतरनाक होगा।
चुंबा को अभी तक, शायद तुम्हारे बारे में पता नहीं चला है, चंडिका! इसीलिए हम को यहां से अलग-अलग हो जाना चाहिए।
ताकि मौका पड़ने पर हम एक-दूसरे की मदद कर सकें!
ठीक है, ध्रुव।
बेस्ट ऑफ लक।
यह पूरा हादसा, चुंबा नहीं देख पाया था।
अरे! यह मैं क्या देख रहा हूं?
यह लड़का, नार्थ पोल और साउथ पोल को मात देकर, अंदर तक आ गया!
मुझे इसी बात का डर था।
अब यह मेरी गुप्त मिसाइल फैक्ट्री में दाखिल हो चुका है।
आखिरी लड़ाई का समय अब आ गया है।
अब मुझे अपने अंतिम अस्त्र का प्रयोग करना ही पड़ेगा।
रोबो मैग्नाटो का!

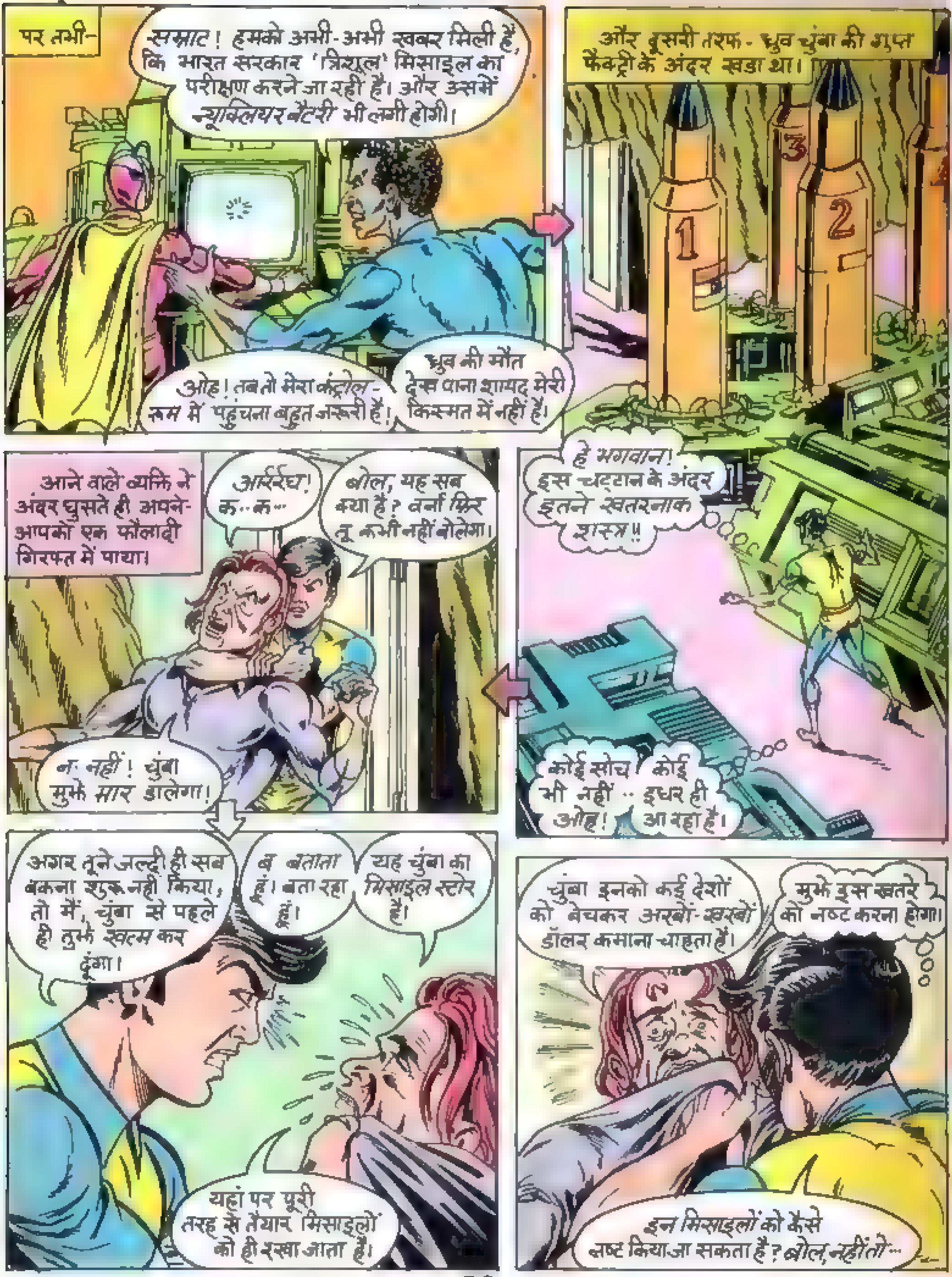
पर तभी-
सम्राट! हमको अभी-अभी खबर मिली है, कि भारत सरकार 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण करने जा रही है। और उसमें न्यूक्लियर बैटरी भी लगी होगी।
ओह! तब तो मेरा कंट्रोल-रूम में पहुंचना बहुत जरूरी है।
ध्रुव की मौत देख पाना शायद मेरी किस्मत में नहीं है।
और दूसरी तरफ- ध्रुव चुंबा की गुप्त फैक्ट्री के अंदर खड़ा था।
हे भगवान! इस चट्टान के अंदर इतने खतरनाक शस्त्र!!
कोई सोच भी नहीं.. ओह!
कोई इधर ही आ रहा है।
आने वाले व्यक्ति ने अंदर घुसते ही अपने-आपको एक फौलादी गिरफ्त में पाया।
आर्र्रघ! क..क..
बोल, यह सब क्या है? वर्ना फिर तू कभी नहीं बोलेगा।
न: नहीं! चुंबा मुझे मार डालेगा।
अगर तूने जल्दी ही सब बकना शुरू नहीं किया, तो मैं, चुंबा से पहले ही तुझे खत्म कर दूंगा।
ब बताता हूं। बता रहा हूं।
यह चुंबा का मिसाइल स्टोर है।
यहां पर पूरी तरह से तैयार मिसाइलों को ही रखा जाता है।
चुंबा इनको कई देशों को बेचकर अरबों-खरबों डॉलर कमाना चाहता है।
मुझे इस खतरे को नष्ट करना होगा।
इन मिसाइलों को कैसे नष्ट किया जा सकता है? बोल, नहीं तो...

आऊऽऽ! इस कंट्रोल पेनल पर लगे लाल बटनों को दबाते ही ये मिसाइलें उड़ चलेंगी।
और सीधे अंतरिक्ष में जाकर खुद ही नष्ट हो जाएंगी।
बस! तुम्हारा काम खत्म हो गया, प्यारे। अब तुम आराम करो।
तब तक मैं इस कंट्रोल पेनल को ही नष्ट कर दूं।
टिशू
ध्रुव कंट्रोल पेनल की तरफ बढ़ा ही था, कि तभी एक हाथ ने उसको रास्ते में ही रोक दिया।
ध्रुव घूमा -
बड़ा सभ्य रोबोट है!
और बहुत खतरनाक भी।
और उसकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं।
नमस्कार... मानव! मैं... रोबो मैगनाटो... हूं।... मुझे... तुमको... नष्ट... करने... का आदेश... दिया... गया... है।
उधर- चंडिका, चुंबा के कंट्रोल-रूम तक पहुंच चुकी थी।
तो यह जगह झगड़े की मुख्य जड़ है!
पर यह क्या?

यहां पर काम कर रहे हर वैज्ञानिक के पैर में लोहे का गोला बंधा है।
यानि चुंबा इनसे, इनकी इच्छा के विरुद्ध काम करा रहा है।
अब खुश हो जाओ वैज्ञानिको,
क्योंकि तुम्हारी आजादी का फर्मान लेकर चंडिका आ चुकी है।
दूसरी तरफ - ध्रुव एक अजीबोगरीब दुश्मन से लड़ रहा था।
ठनाक
मेरे इतने शक्तिशाली वार भी, इस रोबोट के ढांचे पर खरोंच तक नहीं डाल पा रहे हैं।
और मैं इससे बच नहीं पा रहा हूं!
क्योंकि यह जितना चाहे, उतना लंबा हाथ बढ़ा ले रहा है।
तड़ाक
इस रोबोट का शरीर तोड़ने के लिए एक भीमकाय हथौड़ा चाहिए!
ध्रुव ने आश्चर्यजनक शक्ति का प्रयोग करते हुए मशीन का एक पूरा हिस्सा ही उखाड़ लिया।
अम्मम्फ!
और एक तेज झटके से वजनी लोहा मैग्नाटो की तरफ लपका।

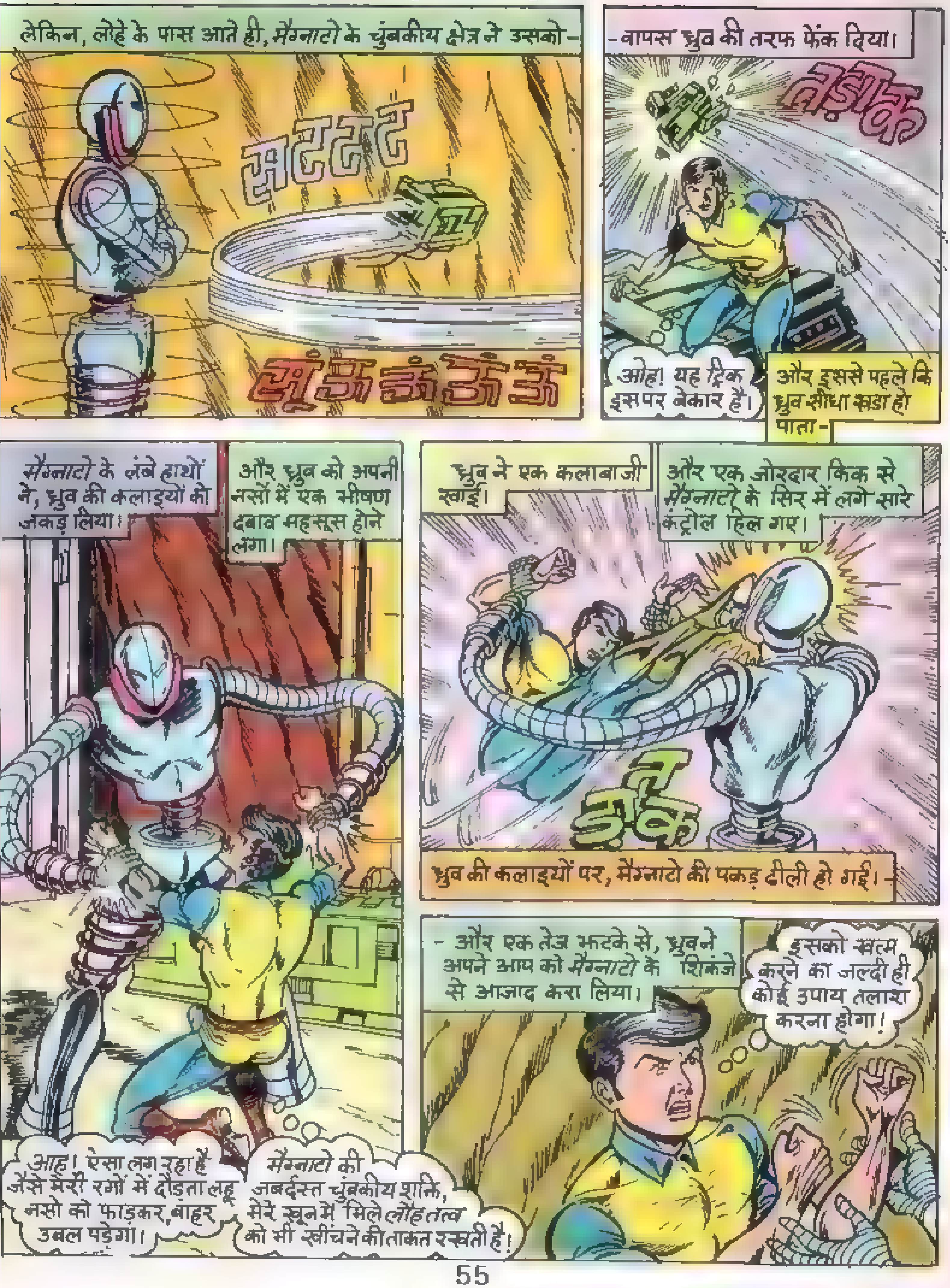
लेकिन, लोहे के पास आते ही, मैग्नाटो के चुंबकीय क्षेत्र ने उसको –
– वापस ध्रुव की तरफ फेंक दिया।
तड़ाक
ओह! यह ट्रिक इस पर बेकार है।
और इससे पहले कि ध्रुव सीधा खड़ा हो पाता –
मैग्नाटो के लंबे हाथों ने, ध्रुव की कलाइयों को जकड़ लिया।
और ध्रुव को अपनी नसों में एक भीषण दबाव महसूस होने लगा।
आह! ऐसा लग रहा है जैसे मेरी रगों में दौड़ता लहू नसो को फाड़कर, बाहर उबल पड़ेगा।
मैग्नाटो की जबर्दस्त चुंबकीय शक्ति, मेरे खून में मिले लौह तत्व को भी खींचने की ताकत रखती है!
ध्रुव ने एक कलाबाजी खाई।
और एक जोरदार किक से मैग्नाटो के सिर में लगे सारे कंट्रोल हिल गए।
तड़ाक
ध्रुव की कलाइयों पर, मैग्नाटो की पकड़ ढीली हो गई। –
– और एक तेज झटके से, ध्रुव ने अपने आप को मैग्नाटो के शिकंजे से आजाद करा लिया।
इसको खत्म करने का जल्दी ही कोई उपाय तलाश करना होगा!

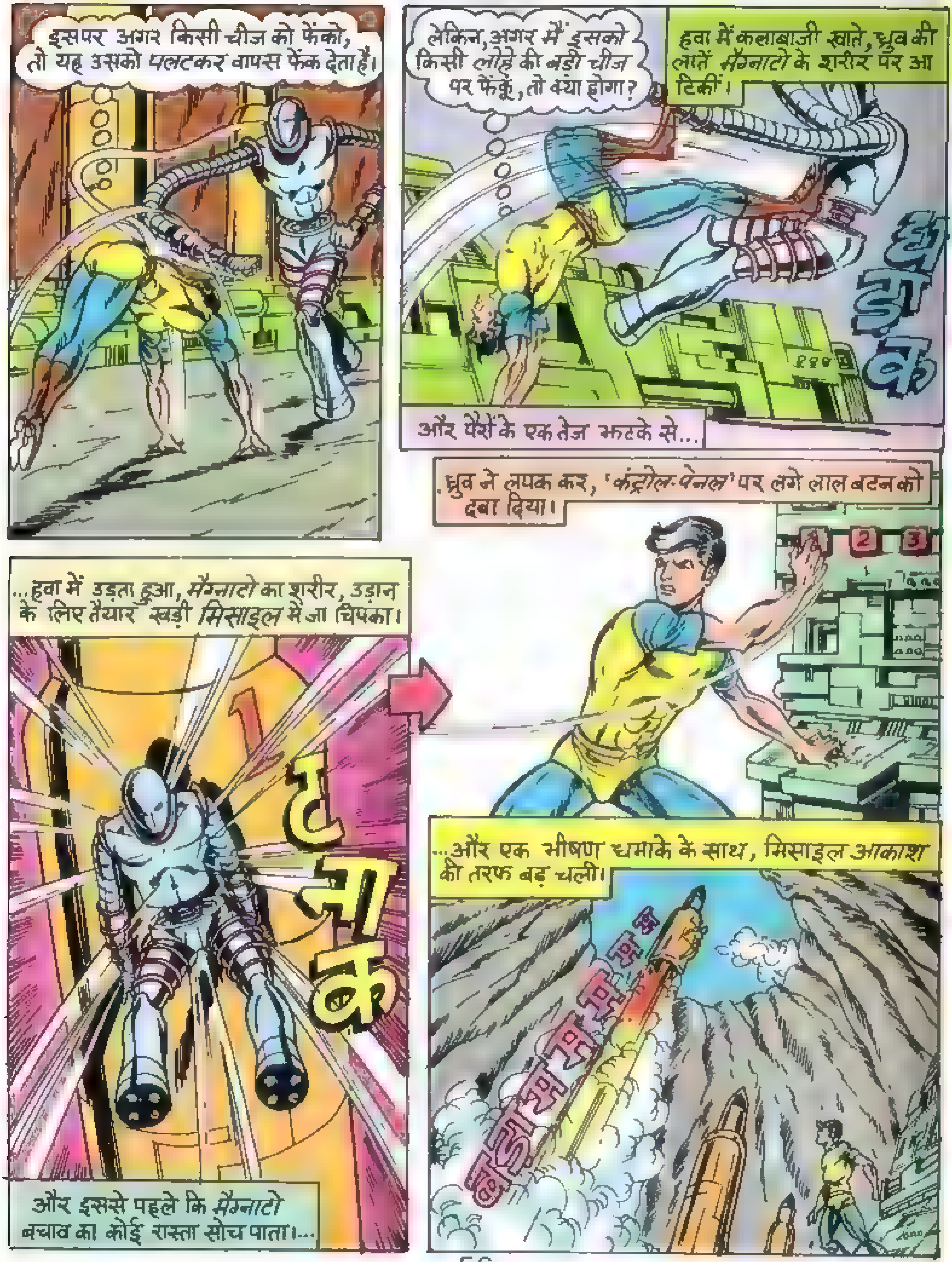
इसपर अगर किसी चीज़ को फेंको, तो यह उसको पलटकर वापस फेंक देता है।
लेकिन, अगर मैं इसको किसी लोहे की बड़ी चीज पर फेंकूं, तो क्या होगा?
हवा में कलाबाजी खाते, ध्रुव की लातें मैग्नाटो के शरीर पर आ टिकीं।
धड़क
और पैरों के एक तेज झटके से...
...हवा में उड़ता हुआ, मैग्नाटो का शरीर, उड़ान के लिए तैयार खड़ी मिसाइल में जा चिपका।
टनाक
और इससे पहले कि मैग्नाटो बचाव का कोई रास्ता सोच पाता।...
ध्रुव ने लपक कर, 'कंट्रोल-पेनल' पर लगे लाल बटन को दबा दिया।
1
2
3
...और एक भीषण धमाके के साथ, मिसाइल आकाश की तरफ बढ़ चली।

देखते ही देखते, अंतरिक्ष में पहुंचकर, मिसाइल एक बेआवाज धमाके के साथ फट गई।
और साथ ही साथ- मेघनाद के टुकड़े भी अंतरिक्ष में बिखर गए।
चुंबा को इस घटना के बारे में पता भी नहीं चला।
तुमने अभी तक आकाश में चुंबकीय किरणों का जाल नहीं फैलाया?
बस, एक सेकंड और, सम्राट!
यह बटन दबाते ही आकाश में चुंबकीय जाल, चारों तरफ फैल जाएगा!
बटन दबा- और अदृश्य चुंबकीय किरणें आकाश में फैल गई।
वेरी गुड! अब मिसाइल भी हमारे काफी नजदीक आ चुकी है।
चुंबा के शक्तिशाली जाल में पहुंचते ही मिसाइल, हवा में ही रुक गई।
और फिर धीरे-धीरे नीचे की तरफ गिरने लगी।
कुछ ही देर बाद- मिसाइल, चुंबा की फैक्ट्री के अंदर खड़ी थी।

बैटरी इसमें लगी है, सम्राट!
सच? हाहा हाहाहा!
आज चुंबा का सपना पूरा हो गया।
मैग्नाटो भी अब, ध्रुव की लाश लेकर आता ही होगा। सारा रास्ता एकदम साफ हो गया।
अब चुंबा, भारत के हर दुश्मन देश को मिसाइल बना कर बेरोकटोक सप्लाई करेगा।
और अरबों-खरबों डॉलर कमाएगा।
हाहाहा हा!
पर तभी-
अरे! यह क्या?
तड़ाक
और-
भारत की सुरक्षा का सौदा करना इतना आसान नहीं है, मि॰ चुंबा!
तू कौन है, लड़की?
और और तू मेरे किले के अंदर कैसे आ गई?
मेरे देश के दुश्मन मुझे चंडिका के नाम से जानते हैं, चुंबा!
धाड़
और जहां पर भी तुम्हारे जैसे राक्षस सिर उठाते हैं, उनका सिर काटने के लिए चंडिका अपने आप वहां पहुंच जाती है।
बच्चे इतनी बड़ी-बड़ी बातें नहीं करते, लड़की!

ला, बैटरी मुझे दे दे!
कभी नहीं!
तो मैं तुझे ऐसी मौत मारूंगा, जिसे देखकर मौत भी कांप उठेगी।
चुंबा ने हाथ उठाया।
और दीवार का एक हिस्सा, अपनी जगह से सरक गया!
दीवार के अंदर लगी, लोहे की सलाखें चमक रही थीं।
सरक
अब मेरा एक 'मैग्नेटिक ब्लास्ट' तुझे चलता-फिरता चुंबक बना देगा।
और फिर लोहे की ये नुकीली सलाखें, तेरे शरीर को अपनी तरफ खींच लेंगी।
और तेरे छिदे शरीर से टपकता लहू, मेरे हर दुश्मन का खून, सर्द कर देगा!
उसमें तुम ज्यादा कमाई कर लोगे।
तुमको तो 'हॉरर' फिल्मों के डायलॉग लिखने चाहिए चुंबा!
कड़क
अभी तेरी यह तेज जुबान बंद हो जाएगी, छोकरी!
मजाक बहुत हो गया।
आखिर इसके मैग्नेटिक ब्लास्टों से, उछल-उछल कर कब तक बचा जा सकता है?
एक मिनट।
मैग्नेटिक ब्लास्ट इस चमकती सतह से टकरा कर वापस हो रहे हैं!

यह मेरे बचाव का साधन भी बन सकती है...
और हमले का भी।
चंडिका ने चमकती प्लेट को दीवार से उखाड़ लिया।
और उसको अपनी ढाल की तरह पकड़ लिया।
और चुंबा का मैग्नेटिक ब्लास्ट, चमकती प्लेट से टकरा कर...
...वापस चुंबा से ही आ टकराया।
कड़ाड़ाक
पलक झपकते चुंबा का शरीर खुद एक शक्तिशाली चुंबक बन गया।
और हवा में उड़ता उसका शरीर, उन्हीं नुकीले सिरों की तरफ बढ़ा, जो उसने चंडिका के लिए सजाए थे।
आईईई! मैं मर जाऊंगा।
स्रांय
मगर तभी - एक जोरदार लात ने उसको नुकीले सिरों से दूर फेंक दिया।
घबराओ मत, चुंबा!
तड़ाक
मैं तुमको इतनी आसानी से मरने नहीं दूंगी।

इससे पहले कि चुंबा संभल पाता –
–चंडिका का एक और करारा वार उसके शरीर पर आ लगा।
तड़ाक
मैंने तुम्हारे लिए एक बहुत बढ़िया सजा सोचकर रखी है, चुंबा!
और चुंबा का शरीर, वैज्ञानिकों के पैरों में बंधे लोहे के गोलों के बीच में आ गिरा।
धड़ाम
चुंबक बने चुंबा के आकर्षण शक्ति के घेरे में आते ही...
...सारे वजन एक साथ चुंबा की तरफ लपके।
तड़ाक
हाय!
आ ऊ!
धाईं
वाह, चंडिका! मैं तुम्हारी मदद के लिए तैयार खड़ा था। पर तुमको इसकी जरूरत नहीं पड़ी।
हाय!
अब तुम दोनों यहां से बचकर नहीं जा पाओगे।
गॉड! गॉड!!

लेकिन चुंबा के गॉर्डों के आ पाने से पहले ही–
मिसाइल में दो दरवाज़े खुल गए। और उसमें से भारतीय सेना के सशस्त्र जवान बाहर कूदने लगे।
और अब चुंबा के गॉर्ड अंदर घुसे–
–तो उनका स्वागत, उनकी तरफ तनी, मशीनगनों की कई नालियों ने किया।
य... यह क्या? इस मिसाइल में सैनिक भरे हुए थे!!
और इसमें 'न्यूक्लियर बैटरी' भी नकली लगी थी, चुंबा! जब तुमने ड्रिलमैन को डिपो में बैटरी लाने को भेजा था, तभी मुझे शक हो गया था, कि मिसाइलों के असफल परीक्षण के पीछे तुम्हारा हाथ अवश्य है।
इसीलिए मैंने डॉ॰ राव से मिलकर, तुम्हारे गुप्त अड्डे का पता लगाने के लिए यह रास्ता अपनाया था। अगर मैं तुम्हारा अड्डा ढूंढने में असफल रहता, तो हमारे सैनिक तुमको अवश्य ढूंढ लेते।
अब मेरे पास एक ही रास्ता है!
अपने शरीर को चुंबकीय कणों में बदलकर यहां से फूट लेने का!
और अगले ही पल–
इसका शरीर तो कणों में बदलकर तार में घुस रहा है, ध्रुव!
यह भाग जाएगा!
नहीं भाग पाएगा, चंडिका!
जब तुम चुंबा को ठिकाने लगा रही थीं, ...

..तब मैं इन तारों को ठिकाने लगा रहा था।
क्योंकि मैं इसकी यह ट्रिक पहले से ही जानता था।
अब चुंबा को तार के इन सिरों से बाहर निकलना ही पड़ेगा।
और मैं एकदम तैयार रहूंगा।
टिरां
टिरां
ओह! मेरे मेग्नेटिक कंट्रोल! मेरे सारे कंट्रोल टूट गए!
कड़ाक
अब मैं अपनी किसी भी शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर सकता!
मैं बेकार हो गया! बर्बाद हो गया!
बुरे काम का बुरा नतीजा!
मगर.. मगर चंडिका कहां गई?
और फिर--
ध्रुव, यह रही श्वेता!
लेकिन यह तो गहरी नींद में सो रही है।
मेरे ख्याल से चुंबा ने इसको कोई ऐसी दवाई खिला दी है, जिसका असर इस पर अभी तक है!
अच्छा ही है।
अब इसकी नींद घर में ही खुले तो ठीक है। वर्ना यहां पर तो होश में आते ही, यह डरपोक फिर से बेहोश हो जाएगी।

मुद्रक: जापान आर्ट प्रेस